खबर संक्षेप

केशवाही के तत्कालीन पंचायत सचिव की रिहाई के आदेश जारी

शहडोल। जिले की बुढ़ार जनपद की ग्राम पंचायत केशवाही में शासकीय राशि के गबन और वसूली से जुड़े मामले में बड़ी कार्रवाई के बाद नया मोड़ आया है। तत्कालीन पंचायत सचिव रमेश पटेल द्वारा लोकधन की पूरी 7 लाख 79 हजार 210 रुपए की बकाया राशि सरकारी खजाने में जमा करा दिए जाने के बाद जिला पंचायत सीईओ शिवम प्रजापति ने उनकी रिहाई के औपचारिक आदेश जारी कर दिए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, जनपद पंचायत बुढार के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत केशवाही के तत्कालीन सचिव रमेश पटेल पर शासकीय राशि जमा न करने के गंभीर आरोप थे। इस पर मध्यप्रदेश पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम, 1993 की धारा 92 के तहत कानूनी शिकंजा कसा गया था। जिला पंचायत प्रशासन द्वारा बार-बार अवसर देने के बावजूद जब राशि जमा नहीं की गई, तो अपर कलेक्टर (विकास) एवं विहित प्राधिकारी द्वारा सख्त रुख अपनाते हुए वारंट जारी किया गया था। जिला पंचायत शहडोल द्वारा जारी वारंट क्रमांक 1103 के तहत रमेश पटेल को 22 अक्टूबर से 20 नवंबर 2026 तक की अवधि के लिए सिविल जेल में निरुद्ध रखने के निर्देश दिए गए थे। साथ ही जिला जेल अधीक्षक को आदेशित किया गया था कि वे 20 नवंबर को उन्हें जिला पंचायत कार्यालय के समक्ष प्रस्तुत करें। जेल जाने की नौबत आते ही तत्कालीन सचिव रमेश पटेल ने तत्परता दिखाते हुए पूरी बकाया राशि 7,79,210 रुपए जमा कर दिए। इसके तुरंत बाद विहित प्राधिकारी एवं सीईओ जिला पंचायत शहडोल ने प्रशासनिक प्रक्रिया पूर्ण करते हुए उनकी रिहाई के आदेश जारी कर दिए हैं।

सार्थक का 70 वीं राष्ट्रीय शालेय फुटबॉल प्रतियोगिता के लिए चयन

प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर मध्यप्रदेश शालेय दल में मिली जगह

शहडोल। शहडोल के मेधावी फुटबॉल खिलाड़ी सार्थक पाठक का चयन 70वीं राष्ट्रीय शालेय फुटबॉल प्रतियोगिता के लिए मध्यप्रदेश शालेय दल में किया गया है। सार्थक ने शालेय राज्य स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता में शहडोल संभाग की टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन किया था। उनकी इस उपलब्धि से जिले का गौरव बढ़ा है। सहायक संचालक खेल एवं एनआईएस फुटबॉल कोच श्री रईस अहमद ने बताया कि शाजापुर/सुजालपुर में 3 से 7 अक्टूबर 2026 तक आयोजित शालेय राज्य स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता के 17 वर्ष आयु वर्ग बालक वर्ग में शहडोल संभाग की टीम से भाग लेते हुए सार्थक पाठक ने शानदार प्रदर्शन किया।

कागजी घोड़ों की दौड़ में सिमटी शहडोल संभाग की अग्नि सुरक्षा

भोपाल से पत्र जारी, अधिकारी सोए, बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है नगरीय प्रशासन

शहडोल।

संभाग के नगरीय निकायों में आम जनता की जान-माल की सुरक्षा को लेकर जिम्मेदार अधिकारियों की गंभीर लापरवाही और अकर्मण्यता एक बार फिर बेपर्दा हुई है। राजधानी भोपाल स्थित संचालनालय नगरीय प्रशासन एवं विकास द्वारा आगामी अग्निसुरक्षा को लेकर 21 सितंबर 2026 को जारी पत्र तथा इसके पश्चात संभागीय संयुक्त संचालक नगरीय प्रशासन एवं विकास, शहडोल संभाग द्वारा 23 सितंबर 2026 को जारी आदेश का धरातल पर शून्य प्रभाव दिख रहा है। आदेश जारी हुए एक माह से अधिक का समय बीत चुका है, लेकिन संभाग की नगर पालिकाओं एवं नगर परिषदों के मुख्य नगर पालिका अधिकारी और संबंधित अमला पूरी तरह कुंभकर्णी नींद में सोया हुआ है। शहडोल संभाग के अंतर्गत आने वाले जिला शहडोल, उमरिया एवं अनूपपुर के विभिन्न निकायों में स्थित शॉपिंग मॉल, उच्च शिक्षण संस्थान (महाविद्यालय), होटल, भोजनालय (रेस्टोरेंट) तथा अन्य सार्वजनिक व्यावसायिक भवनों में अग्निशामक व्यवस्थाएं पूरी तरह ध्वस्त हैं। बड़े-बड़े प्रतिष्ठान बिना अनिवार्य अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) के धड़ल्ले से संचालित हो रहे हैं, परंतु जिम्मेदार तंत्र आंखें मूंदे बैठा है।

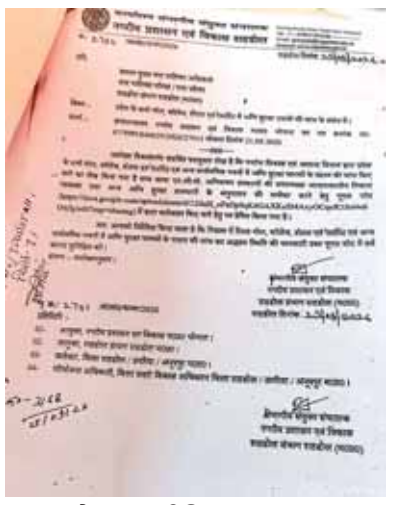

कागजों तक सीमित रह गया सख्त निर्देश

संचालनालय के निर्देश पर संभागीय संयुक्त संचालक, नगरीय प्रशासन एवं विकास, शहडोल संभाग ने समस्त मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए थे। पत्र में स्पष्ट रूप से उल्लेख था कि निकाय क्षेत्र में स्थित सभी मॉल, महाविद्यालयों, होटलों, भोजनालयों एवं अन्य सार्वजनिक भवनों में अग्नि सुरक्षा उपायों की धरातलीय जांच की जाए। अनापत्ति प्रमाण पत्र (फायर एनओसी), अग्निशमन उपकरणों की कार्यशील स्थिति, आपातकालीन निकास द्वारों तथा अन्य सुरक्षा मापदंडों के अनुपालन की समीक्षा की जाए। जांच से प्राप्त अद्यतन आंकड़ों को शासन द्वारा उपलब्ध कराए गए डिजिटल प्रपत्र (गूगल पत्रक) में दर्ज कर जानकारी तत्काल प्रेषित की जाए, लेकिन विडंबना देखिए कि बड़े साहब ने पत्र जारी कर अपनी जिम्मेदारी की इतिश्री कर ली और अधीनस्थ अधिकारी उस पत्र को रद्दी की टोकरी में डालकर भूल गए। एक महीने से अधिक समय बीत जाने के बाद भी गूगल पत्रक में आंकड़ों का संकलन (डाटा प्रविष्टि) न के बराबर है, जिससे साफ जाहिर होता है कि धरातल पर एक भी स्थल की निष्पक्ष जांच नहीं की गई।

आज भी बेखौफ जारी है जान से खिलवाड़

शहडोल संभाग में यह कोई पहली बार नहीं हो रहा है। पूर्व में भी संभाग के अधिकांश होटलों, मॉल और बहुमंजिला इमारतों के पास अग्निशमन विभाग का वैध अनापत्ति प्रमाण पत्र नहीं था। नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए बहुमंजिला इमारतों में पतली गलियों वाले आपातकालीन मार्ग बनाए गए हैं, जो कि किसी भी अनहोनी की स्थिति में पूरी तरह अप्रभावी साबित होंगे। कई बड़े प्रतिष्ठानों में तो आग बुझाने वाले सिलेंडर केवल दिखावे के लिए टंगे हैं, जिनकी वैधता बरसों पहले समाप्त हो चुकी है। इसके बावजूद, नगरीय प्रशासन का अमला कभी-कभार औपचारिकता निभाने के अलावा ठोस कार्रवाई करने से बचता रहा है। रसूखदार व्यावसायिक प्रतिष्ठान मालिकों और अधिकारियों के बीच की कथित साठगांठ के कारण जनसुरक्षा को ताक पर रख दिया गया है।

साहब आदेश जारी कर भूले, मातहतों ने साधी चुप्पी

प्रशासनिक कार्यप्रणाली का यह सबसे शर्मनाक पहलू है कि उच्च स्तर से जारी आदेश भी निचले स्तर पर केवल कागजी औपचारिकता बनकर रह जाते हैं। संभागीय संयुक्त संचालक ने पत्र जारी करने के बाद यह अनुश्रवण (फॉलो-अप) करना भी उचित नहीं समझा कि उनके आदेश पर मैदानी अमले ने क्या कार्रवाई की। न तो अधिकारियों को स्मरण पत्र भेजा गया और न ही लापरवाही बरतने वाले मुख्य नगर पालिका अधिकारियों के विरुद्ध कोई अनुशासनात्मक कदम उठाया गया। जब विभाग के सर्वोच्च अधिकारी ही पत्र भेजकर अपने कर्तव्यों की इतिश्री कर लेंगे, तो निचले कर्मचारियों से मुस्तैदी की उम्मीद कैसे की जा सकती है? मुख्य नगर पालिका अधिकारियों की इस घोर लापरवाही से यह स्पष्ट है कि उन्हें न तो शासन के आदेशों का भय है और न ही आम जनता की सुरक्षा की कोई चिंता।

क्या किसी भीषण त्रासदी का इंतजार कर रहा है प्रशासन

देश और प्रदेश में कई बार होटलों और मॉल में भीषण आग लगने से कई बेकसूर अपनी जान गंवा चुके हैं। हर दुर्घटना के बाद प्रशासनिक अमला कुछ दिनों के लिए सक्रियता का नाटक करता है, लेकिन फिर वही ढर्रा शुरू हो जाता है। शहडोल संभाग में जिस प्रकार की उदासीनता देखने को मिल रही है, उससे यही प्रतीत होता है कि जिम्मेदार अधिकारी किसी बड़ी अप्रिय घटना या भीषण हादसे का इंतजार कर रहे हैं, ताकि किसी निर्दोष की बलि चढ़ने के बाद कागजी जांच के नाम पर अपनी नाकामी को छिपाया जा सके। जनता अब कागजी घोड़ों से ऊब चुकी है। यदि शीघ्र ही संभाग स्तर पर अग्निसुरक्षा मानकों की कठोरता से जांच कर अवैध एवं असुरक्षित प्रतिष्ठानों पर कड़ी दंडात्मक कार्रवाई नहीं की गई, तो भविष्य में होने वाली किसी भी जनहानि के लिए सीधे तौर पर नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग शहडोल के ये बेपरवाह अधिकारी जिम्मेदार होंगे।

व्हाट्सएप से चल रही जयसिंहनगर की स्वास्थ्य व्यवस्था

बीएमओ की हुकूमत के आगे नतमस्तक सीएमएचओ

रीवा आरडी का आदेश भी हवा में उड़ा

जयसिंहनगर। डिजिटल इंडिया के दौर में जयसिंहनगर विकास खंड के स्वास्थ्य महकमे ने नियम-कायदों को पूरी तरह 'डिजिटल डस्टबिन' में फेंक दिया है। एक तरफ जहां जिले के सर्वोच्च प्रशासनिक अधिकारी (कलेक्टर) का स्पष्ट फरमान है कि शासकीय कार्यों, बैठकों एवं अवकाश की प्रक्रिया निर्धारित मापदंडों और विधिवत पत्राचार के तहत ही पूरी की जाए, वहीं जयसिंहनगर के ब्लॉक मेडिकल अधिकारी (बीएमओ) डॉ. आनंद प्रताप सिंह के लिए शासन-प्रशासन का कोई कानून मायने नहीं रखता। साहब के लिए तो व्हाट्सएप ही सरकारी गजट बन चुका है और वहीं से तुगलकी फरमान जारी किए जा रहे हैं।

व्हाट्सएप पर हटाया, व्हाट्सएप पर ही प्रभार दिलाया!

नियम-कायदों की धज्जियां उड़ाते हुए बीएमओ डॉ. आनंद प्रताप सिंह ने हाल ही में व्हाट्सएप के जरिए ही एक बड़ा प्रशासनिक 'खेल' कर डाला। उन्होंने एक मैसेज टाइप किया और रोगी कल्याण समिति के बाबू रमेश वर्मा को तत्काल प्रभाव से उनके मूल पदस्थापना स्थल एवं मूल पद (एमपीडब्ल्यू सेक्टर कुबरा) के लिए कार्यमुक्त (रिलीव) कर दिया। हद तो तब हो गई जब इसी व्हाट्सएप फरमान में उन्होंने नीचे लिख दिया, अपना समस्त प्रभार जे.पी. गुप्ता (लेखापाल) को सौंपें, यह आदेश तत्काल



प्रभावशील होगा। इतना ही नहीं, लेखापाल ज.पा. गुप्ता को भी व्हाट्सएप पर ही प्रभार ग्रहण कर सूचित करने की हिदायत दे डाली। साथ ही आवक-जावक के लिए निर्देश चिपका दिया कि आनंद डी-ग्रुप समस्त पत्र लेंगे और शाम को प्रस्तुत करेंगे।

तो जयसिंहनगर में किस रसूख से जमे हैं साहब

अब जरा प्रशासनिक बाजीगरी का दूसरा पहलू भी देख लीजिए। डॉ. आनंद प्रताप सिंह (एमडी, पीएसएम) की मूल पदस्थापना तो मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) कार्यालय शहडोल के लिए की गई थी। जिला मुख्यालय स्थित परिसर में उनके नाम से बकायदा एक कक्ष (रूम) भी आबंटित है। कार्यालय क्षेत्रीय संचालक (स्वास्थ्य सेवाएं, रीवा संभाग) द्वारा जारी पत्र में साफ-साफ निर्देश दिए गए थे कि शासन के आदेशानुसार जिले में किए गए समस्त संलग्नीकरण (अटैचमेंट) एवं अस्थायी ड्यूटी को तत्काल प्रभाव से निरस्त किया जाए तथा 7 दिनों के अंदर पालन प्रतिवेदन भेजा जाए। इस कड़े शासकीय आदेश को जारी हुए 11 दिन से अधिक का समय बीत चुका है, लेकिन रीवा आरडी का आदेश जयसिंहनगर की सीमा में घुसते ही बेअसर हो गया। जब क्षेत्रीय संचालक का निरस्तीकरण पत्र आ चुका है, तो किस शह पर



डॉ. आनंद अब तक बीएमओ की कुर्सी पर कुंडली मारकर बैठे हैं?

रसूख के आगे नतमस्तक सीएमएचओ दफ्तर

जिस आदेश और स्थानांतरण की प्रक्रिया को सीएमएचओ कार्यालय शहडोल से जारी होना चाहिए था, उसे बीएमओ साहब अपने मोबाइल की स्क्रीन से तय कर रहे हैं। ऐसा लगता है कि डॉ. आनंद के ऊंचे रसूख और रुतबे के आगे सीएमएचओ दफ्तर ने पूरी तरह घुटने टेक दिए हैं। वरिष्ठ अधिकारियों के आदेशों की सरेआम अवहेलना हो रही है, लेकिन जिले में बैठे जिम्मेदार अधिकारी मौन साधे तमाशा देख रहे हैं। क्या जयसिंहनगर स्वास्थ्य विभाग में सरकारी नियम खत्म हो चुके हैं और अब मोबाइल एप ही अंतिम कानून है? जनता और विभागीय कर्मचारी अब यही पूछ रहे हैं कि आखिर इस 'व्हाट्सएप छाप' व्यवस्था और आदेशों की अवहेलना करने वाले बीएमओ पर सख्त कार्रवाई का साहस कौन सा अधिकारी दिखाएगा?

शहडोल दौरे पर सीएम मोहन यादव के घेराबंदी करेगी कांग्रेस



किसान, महंगाई और कानून-व्यवस्था पर सरकार को घेरने का प्लान

शहडोल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के आगामी 25 अक्टूबर 2026 को शहडोल आगमन को लेकर जिले में सियासी पारा चढ़ गया है। राज्य सरकार की नीतियों और स्थानीय मुद्दों को लेकर मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने मुख्यमंत्री का पुरजोर विरोध करने का ऐलान किया है। जिला कांग्रेस कमेटी की एक अहम बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया है कि सीएम के आगमन पर उन्हें काले झंडे दिखाकर विरोध दर्ज कराया जाएगा।

जिलाध्यक्ष अजय अवस्थी के नेतृत्व में आयोजित वरिष्ठ पदाधिकारियों की बैठक में प्रदेश सरकार की नीतियों के खिलाफ रणनीति बनाई गई। कांग्रेस पार्टी ने विरोध प्रदर्शन के लिए मुख्य रूप से किसानों को फसलों का उचित दाम न मिलना और खाद-बीज की किल्लत। आसमान छूती महंगाई और युवाओं को रोजगार न मिलना। चुनावी प्रक्रियाओं में धांधली का आरोप। जिले में तेजी से बढ़ते अपराध और सुस्त पुलिस तंत्र। आम जनता से जुड़े बुनियादी मुद्दों की अनदेखी मुद्दों को आधार बनाया है।

निर्धारित रणनीति के तहत जिलेभर से कांग्रेस कार्यकर्ता और विभिन्न मोर्चों के पदाधिकारी 25 अक्टूबर की सुबह शहडोल स्थित कांग्रेस भवन में एकत्रित होंगे। यहां से विशाल रैली के रूप में कार्यकर्ता मुख्यमंत्री के कार्यक्रम स्थल की ओर प्रस्थान करेंगे और काले झंडे दिखाकर अपनी आवाज बुलंद करेंगे। जिलाध्यक्ष अजय अवस्थी ने युवा कांग्रेस, महिला कांग्रेस, सेवादल, एनएसयूआई और ब्लॉक/मंडल अध्यक्षों सहित सभी प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों से प्रदर्शन में बढ़-चढकर हिस्सा लेने का आह्वान किया है। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता पीयूष शुक्ला ने बताया कि यह विरोध प्रदर्शन पूरी एकजुटता के साथ जनहित के मुद्दों पर शासन का ध्यान आकर्षित करने के लिए किया जा रहा है।

बैठक के दौरान पूर्व जिलाध्यक्ष सुभाष गुप्ता, राकेश कटारे, नीरज द्विवेदी, पूर्व नगरपालिका उपाध्यक्ष कुलदीप निगम, वरिष्ठ नेता सुनील खरे, कृष्णचंद्र चतुर्वेदी, जिला उपाध्यक्ष अनुज मिश्रा, नगर अध्यक्ष प्रभात पाण्डेय, पूर्व पार्षद जितेंद्र सिंह, युवा कांग्रेस उपाध्यक्ष आशीष तिवारी, एनएसयूआई जिलाध्यक्ष सौरभ तिवारी, सेवादल जिलाध्यक्ष प्रमोद जैन तथा पार्षद हीरालाल प्रजापति सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सीएम डॉ. मोहन यादव का शहडोल दौरा

बाणगंगा मैदान में राज्यस्तरीय तेंदूपत्ता बोनस वितरण की तैयारियां तेज

विधायक व प्रशासनिक अमले ने लिया जायजा

शहडोल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के आगामी 25 अक्टूबर को प्रस्तावित शहडोल दौरे को लेकर जिला प्रशासन और जनप्रतिनिधियों ने अपनी कमर कस ली है। मुख्यमंत्री के आगमन पर बाणगंगा मैदान में आयोजित होने वाले राज्यस्तरीय तेंदूपत्ता संग्राहक बोनस वितरण कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लेने के लिए मंगलवार को जनप्रतिनिधियों और शीर्ष प्रशासनिक अधिकारियों ने भारी-भरकम अमले के साथ स्थल का निरीक्षण किया। जैतपुर विधायक श्रीमती मनीषा सिंह, संभागायुक्त श्रीमती सुरभि गुप्ता और कलेक्टर पार्थ जायसवाल ने बाणगंगा मैदान पहुंचकर तैयारियों की हर एक बारीक बात की समीक्षा की और मातहत अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने कार्यक्रम स्थल पर बनने वाले मुख्य मंच, भव्य प्रदर्शनी, पत्रकारों के बैठने और समाचार संकलन के लिए मीडिया दीर्घा, तथा हितग्राहियों के बैठने की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि मंच का निर्माण और सजावट गरिमामयी हो। साथ ही, दूर-दराज से आने वाले तेंदूपत्ता संग्राहकों और आम नागरिकों के बैठने के लिए पर्याप्त छांव व कुर्सियों की मुकम्मल व्यवस्था हो ताकि किसी को भी धूप या असुविधा का सामना न करना पड़े। विभिन्न विभागों द्वारा लगाई जाने वाली विकासात्मक प्रदर्शनियों का निरीक्षण करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि शासकीय योजनाओं की सफलताओं को इस तरह प्रदर्शित किया जाए कि आम जनता को उनका सीधा लाभ और संदेश स्पष्ट रूप से मिल सके। विशाल जनसमूह को देखते हुए कार्यक्रम स्थल पर पर्याप्त पेयजल और स्वच्छता के कड़े इंतजाम करने के निर्देश पीएचई और नगर पालिका अमले को दिए गए।

मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर सुरक्षा और प्रोटोकॉल के पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं। निरीक्षण के दौरान हेलीपैड स्थल का जायजा लिया गया, जहाँ अतिथियों के स्वागत, आवागमन और सुरक्षा संबंधी सभीमानकों को समय पर पूरा करने के निर्देश दिए गए। साथ ही, शहर





में यातायात व्यवस्था को सुचारह्व बनाए रखने के लिए पार्किंग स्थलों का चयन किया गया। अधिकारियों ने निर्देश दिए कि कार्यक्रम में आने वाले वाहनों के लिए पार्किंग की पर्याप्त जगह हो तथा शहर के मुख्य मार्गों पर जाम की स्थिति न बने, इसके लिए ट्रैफिक पुलिस बल की तैनाती पहले से ही सुनिश्चित की जाए।

तैयारी का जायजा लेने के दौरान प्रशासनिक महकमा पूरी तरह मुस्तैद नजर आया। इस दौरान बीटीआर के संचालक अनुपम सहाय, वनमंडलाधिकारी श्रीमती श्रद्धा पेंढे, वनमंडलाधिकारी श्रीमती तरुणा वर्मा, जिला पंचायत सीईओ शिवम प्रजापति, अपर कलेक्टर संरोधन सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक दीवान, जिला योजना समिति की सदस्य श्रीमती अमिता चपरा, एसडीएम सोहागपुर श्रीमती अमृता गर्ग सहित तमाम विभागों के जिला स्तरीय प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे। प्रशासन ने सभी विभागों को आपसी तालमेल के साथ अपने-अपने दायित्व समय-सीमा में पूरे करने के निर्देश दिए हैं ताकि यह राज्यस्तरीय कार्यक्रम पूरी तरह भव्य और ऐतिहासिक बन सके।

संजय जायसवाल ने सम्हाली सोहागपुर थाने की कमान

पुलिस विभाग में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल, 15 पुलिसकर्मियों का स्थानांतरण

शहडोल।

जिले के महत्वपूर्ण थानों में शुमार सोहागपुर थाने की कमान अब अनुभवी निरीक्षक संजय जायसवाल के हाथों में आ गई है। उन्होंने आधिकारिक रूप से सोहागपुर थाने का पदभार ग्रहण कर लिया है। संजय जायसवाल पहले भी जिले के कई थानों में अपनी सेवाएं दे चुके हैं, जिसके चलते वे यहाँ की भौगोलिक परिस्थितियों, स्थानीय परिवेश और पुलिसिंग की व्यावहारिक जरूरतों से भली-भांति परिचित हैं। उनके पदभार संभालने के साथ ही इलाके में अपराध नियंत्रण और अवैध गतिविधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की उम्मीदें बढ़ गई हैं।



सोहागपुर थाना क्षेत्र में लंबे समय से अवैध कोयला कारोबार, नशीले पदार्थों की अवैध गतिविधियों और अन्य गैरकानूनी कृत्यों पर प्रभावी अंकुश लगाने की मांग उठती रही है। नए थाना प्रभारी के रूप में संजय जायसवाल के पास इन चुनौतियों से निपटने का बड़ा अवसर है। बेहतर पुलिसिंग का आधार केवल अपराध रोकना ही नहीं, बल्कि आम नागरिकों की शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करना और पीड़ितों को समय पर न्याय दिलाना भी है। उनकी पुरानी कार्यशैली को देखते हुए क्षेत्रवासियों की निगाहें अब उनकी आगामी कार्रवाई पर टिकी हैं।

सोहागपुर थाना प्रभारी के पदभार ग्रहण के साथ ही पुलिस अधीक्षक कार्यालय, जिला शहडोल द्वारा प्रशासनिक दृष्टिकोण से बड़ा फेरबदल करते हुए तत्काल प्रभाव से 15 पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों की नवीन पदस्थापना के आदेश जारी किए गए हैं। जारी सूची के अनुसार उनि. बालकरण प्रजापति थाना ब्योहारी से बदलकर थाना कोतवाली, काय.सउनि. विनोद सिंह रक्षित केन्द्र से बदलकर थाना ब्योहारी, सउनि. मो. सफ़ी थाना सीधी से बदलकर थाना गोहपारू, प्रधान आरक्षक देवेन्द्र कश्यप थाना ब्योहारी से बदलकर थाना यातायात, रामनिवास पाण्डेय थाना ब्योहारी से बदलकर थाना यातायात, दिनेश शुक्ला चौकी झींकबिजुरी से बदलकर थाना देवलोंद, सुनील शुक्ला चौकी झींकबिजुरी से बदलकर थाना गोहपारू, रणबहादुर सिंह थाना ब्योहारी से बदलकर थाना गोहपारू, नरेन्द्र कुमार यादव थाना सीधी से बदलकर थाना कोतवाली, महिला आरक्षक मंजू साहू थाना खैरहा से बदलकर थाना सोहागपुर, आरक्षक चित्रांशू शुक्ला चौकी झींकबिजुरी से बदलकर थाना ब्योहारी, सुभाष बैगा थाना जैतपुर से बदलकर थाना सीधी, कृष्णानंद यादव थाना जैतपुर से बदलकर थाना सीधी, मोनू शर्मा थाना गोहपारू से बदलकर थाना जयसिंहनगर, धर्मेन्द्र शुक्ला थाना ब्योहारी से बदलकर थाना अमलाई किया गया है। पुलिस महकमे में किए गए इस व्यापक बदलाव से मैदानी पुलिसिंग को नई ऊर्जा मिलने और जिला स्तर पर कानून-व्यवस्था अधिक मजबूत होने की संभावना है।

पठानी बस्ती में नाबालिग के कब्जे से 119 नशीले इंजेक्शन जब्त एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज

शहडोल।

जिले में अवैध मादक पदार्थों और नशीली दवाओं के अवैध कारोबार पर लगाम कसने के लिए पुलिस अधीक्षक डॉ. संजय कुमार अग्रवाल के निर्देशन में ताबड़तोड़ कार्रवाई जारी है। इसी कड़ी में थाना सोहागपुर पुलिस ने मुखबिर की सटीक सूचना पर बड़ी कार्रवाई करते हुए पठानी बस्ती में दबिश दी और एक नाबालिग आरोपी के कब्जे से भारी मात्रा में प्रतिबंधित नशीले इंजेक्शन बरामद किए हैं। पुलिस ने आरोपी के पास से मोबाइल फोन समेत कुल 13,522 रुपए की सामग्री जब्त की है।

अलमारी में छिपाकर रखे थे इंजेक्शन

थाना सोहागपुर पुलिस को 22 अक्टूबर 2026 को मुखबिर से सूचना मिली थी कि पठानी बस्ती निवासी एक बाल अपचारी के पास अवैध रूप से नशीले इंजेक्शन रखे हैं, जिन्हें वह बेचने की फिराक में ग्राहक तलाश रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी में संदिग्ध के ठिकाने पर दबिश दी। पुलिस को देखते ही वह हड़बड़ाकर घर के अंदर भाग गया। कड़ाई से पूछताछ करने पर उसने कमरे की अलमारी में इंजेक्शन छिपाकर रखने की बात स्वीकार की।

बुप्रेनॉर्फिन और एविल के इंजेक्शन बरामद

पुलिस ने जब कमरे की तलाशी ली, तो एक सफेद कपड़े के बैग से प्रतिबंधित दवाइयों का जखीरा हाथ लगा। मौके से बुप्रेनॉर्फिन हाइड्रोक्लोराइड के 57 इंजेक्शन और फेनिरामाइन मैलिएट (एविल) के 62 इंजेक्शन (कुल 119 नग) बरामद किए गए। इसके अलावा एक रियलमी 13 प्रो प्लस 5त्र मोबाइल फोन भी जब्त किया गया। जब्त किए गए इंजेक्शनों की कीमत 3,522 रुपए और मोबाइल की कीमत 10,000 रुपए आंकी गई है। पुलिस ने सभी सामग्री को विधिवत जब्त कर नाबालिग आरोपी के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/21, 29 और मध्य प्रदेश ड्रग कंट्रोल एक्ट की धारा 5/13 के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर लिया है। मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

सराहनीय भूमिका

इस पूरी कार्रवाई को अंजाम देने में थाना प्रभारी निरीक्षक रामायण प्रसाद रावत के नेतृत्व में उप निरीक्षक आशीष झरिया, रामराज पांडे, नेहा उइके तथा प्रधान आरक्षक मायाराम, आशाराम, संतोष, लवकेश, प्रशांत सोनी, बसंता और महिला आरक्षक सिफा खान की भूमिका रही।

खबर संक्षेप

जिला प्रभारी मंत्री आज आएंगे उमरिया

उमरिया । प्रदेश के अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री तथा जिला प्रभारी मंत्री नागर सिंह चौहान 24 अक्टूबर को प्रातः 8.30 बजे इंदौर बिलासपुर एक्सप्रेस ट्रेन व्दारा उमरिया पहुंचेगे तथा प्रातः 8.40 बजे सर्किट हाउस में आम जनों से भेंट करेंगे। श्री चौहान स्थानीय कार्यक्रमो मे शामिल होने के उपरांत सायं 4.30 बजे ट्रेन द्वारा इंदौर रवाना हो जायेंगे।

अमरकंटक में ओपन फुटबॉल टूर्नामेंट प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ

अमरकंटक। पवित्र नगरी अमरकंटक में आयोजित ओपन फुटबॉल टूर्नामेंट प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ उत्साह, उमंग और खेल भावना के साथ संपन्न हुआ। शुभारंभ समारोह में पुष्पराजगढ़ विधानसभा क्षेत्र के विधायक फुन्देलाल सिंह मार्को एवं शांति कुटी आश्रम के महामंडलेश्वर रामभूषण दास महाराज मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती पार्वती उईके, जनपद के पूर्व उपाध्यक्ष संतोष कुमार पांडेय, जिला अध्यक्ष आदिवासी कांग्रेस आशुतोष सिंह मार्को, अमरकंटक के प्रतिष्ठित व्यवसायी ओमप्रकाश अग्रवाल एवं रंजीत सिंह नंदू, एनएसयूआई जिला अध्यक्ष जितेन्द्र खांडे सहित अनेक नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति रही। इसके साथ ही पार्षद पवन तिवारी, दिनेश द्विवेदी, देवेन्द्र जैन, समीर मानिकपुरी, श्रीमती सुनीता सिंह, श्रीमती मीनू मरावी, वरिष्ठ पत्रकार एवं युवा कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष सूर्य प्रताप सिंह भी समारोह में शामिल हुए। ओपन फुटबॉल टूर्नामेंट प्रतियोगिता के शुभारंभ समारोह की अध्यक्षता युवा कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष बिरू तंबोली ने की। प्रतियोगिता का उद्देश्य युवाओं में खेल भावना को बढ़ावा देना, खेल प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना तथा क्षेत्र में खेल के प्रति रुचि और उत्साह को प्रोत्साहित करना है। समारोह में उपस्थित अतिथियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए खेल को अनुशासन, एकता, आपसी भाईचारे और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का महत्वपूर्ण माध्यम बताया। इस आयोजन से अमरकंटक सहित आसपास के क्षेत्रों के खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा।

मानपुर के मंगल भवन में शिविर आयोजित

जन विश्वास अभियान से हर नागरिक की समस्या का होगा समयबद्ध समाधानः कलेक्टर





43 आवेदन दर्ज, सीधे आवेदकों से मिलकर कलेक्टर ने जानी जमीनी हकीकत

मानपुर। शासकीय योजनाओं का पारदर्शी लाभ सीधे अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने और आम जनमानस की समस्याओं का त्वरित, स्थायी निवारण करने के उद्देश्य से शुरू हुआ 'मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान' मानपुर में धरातल पर असर दिखाता नजर आ रहा है। नगर परिषद मानपुर के वार्डों और निकटवर्ती क्षेत्रों में प्रशासनिक हलचल के बीच स्थानीय मंगल भवन में एक विशाल जन विश्वास शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का मुख्य आकर्षण प्रशासनिक संवेदनशीलता रही, जहां कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय और पुलिस अधीक्षक विजय कुमार भागवानी ने खुद मोर्चा संभाला। अधिकारियों ने न केवल चौपाल की तरह बैठकर आम नागरिकों की शिकायतें सुनीं, बल्कि विभागीय टेबल-दर-टेबल जाकर प्रकरणों की स्थिति भी जांची।



शिविर में 43 शिकायती आवेदन दर्ज

मंगल भवन में आयोजित शिविर में सुबह से ही दूर-दराज़ के गांवों और नगर परिषद के विभिन्न वार्डों से फरियादियों का पहुंचना शुरू हो गया था। दिनभर में कुल 43 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें प्रमुख रूप से राजस्व विवाद, नामांतरण, बिजली के भारी-भरकम बिल, ग्रामीण विकास कार्य, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, प्रधानमंत्री/मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि, तथा गरीबी रेखा सूची में नाम जोडने से जुड़े मामले शामिल थे।

तय होगी जवाबदेही

जनसमूह को संबोधित करते हुए कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने कहा जन विश्वास अभियान का एकमात्र ध्येय आम नागरिक को दफ्तरों के चक्कर लगाने से मुक्ति दिलाना और सरकारी तंत्र में उनका भरोसा और मजबूत करना है। शिविर में दर्ज एक-एक आवेदन की समय-सीमा निर्धारित कर दी गई है। किसी भी स्तर पर यदि लापरवाही पाई गई तो संबंधित अधिकारी-कर्मचारी की जवाबदेही तय की जाएगी। शिविर स्थल पर स्वास्थ्य, राजस्व, बिजली, जनपद, और महिला एवं बाल विकास विभाग के अलग-अलग स्टॉल लगाए गए थे, जहाँ प्राधिकृत कर्मचारियों द्वारा आवेदनों का तत्काल पंजीयन कर पावती दी जा रही थी।

क्लिनिक, राशन दुकान और निर्माण कार्यों का निरीक्षण

शिविर में जनसुनवाई से पूर्व कलेक्टर एवं वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों की टीम ने मानपुर नगर परिषद के विभिन्न वार्डों का विस्तृत दौरा कर बुनियादी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। कलेक्टर ने मुख्यमंत्री संजीवनी क्लिनिक (गोवर्दे) का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने दैनिक मरीज पंजीयन रजिस्टर का अवलोकन किया और उपलब्ध दवाओं के स्टॉक का जायजा लिया। स्वास्थ्य केंद्र में पेयजल की कमी की जानकारी मिलते ही उन्होंने तुरंत यहां निर्बाध जल आपूर्ति सुनिश्चित करने के कड़े निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान शासकीय उचित मूल्य दुकान पहुंचीं कलेक्टर ने राशन लेने आए हितग्राहियों से सीधे संवाद किया और पूछा कि क्या उन्हें प्रति माह निर्धारित मात्रा में खाद्यान्न मिल रहा है या नहीं। इसके साथ ही, गोवर्दे क्षेत्र में निर्माणाधीन आंगनवाड़ी भवन का अवलोकन करते हुए कार्य एजेंसी को निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण कर सौंपने के निर्देश दिए।

बिजली आपूर्ति और नहर अतिक्रमण पर सख्त एक्शन

निरीक्षण के दौरान स्थानीय ग्रामीणों ने गोवर्दे क्षेत्र में अघोषित बिजली कटौती और अनियमित आपूर्ति की शिकायत की। कलेक्टर ने मौके पर मौजूद बिजली विभाग (मप्रपूक्षेविकंलि) के अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से आपूर्ति व्यवस्था दुरुस्त करने की हिदायत दी। वहीं, सिंचाई नहरों की साफ-सफाई न होने और बांध क्षेत्र में अतिक्रमण की शिकायत पर तहसीलदार को निर्देशित किया गया कि वे तुरंत मौका मुआयना करें और प्रतिवेदन बनाकर कठोर बेदखली कार्रवाई प्रस्तावित करें।

बुनियादी ढांचा और उपार्जन की पूर्व तैयारियां

कलेक्टर ने नगर में पेयजल आपूर्ति के मुख्य केंद्र वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का निरीक्षण किया, जहां उन्होंने लैब, पंप हाउस और वॉटर प्यूरिफिकेशन स्ट्रक्चर की तकनीकी बारीकियों को देखा। आगामी धान खरीदी सत्र को ध्यान में रखते हुए धान भंडारण केंद्र (सिगुड़ी) का भी जायजा लिया गया। अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए कि किसानों के आने से पहले उपार्जन केंद्र पर छांव, पीने का पानी, बारदाने और तुलाई की मुकम्मल तैयारियां पूरी कर ली जाएं। इसके अलावा, नव-निर्मित फिश पार्लर को शीघ्र हैंडओवर कर व्यवस्थित रूप से मछली विक्रेताओं को नियत स्थान पर स्थानांतरित कराने को कहा गया।





शत-प्रतिशत उपस्थिति और कक्षाओं का नियमित संचालन अनिवार्य

भ्रमण के अंतिम चरण में कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने स्व. छोटे लाल पटेल शासकीय महाविद्यालय मानपुर का निरीक्षण किया। प्राचार्य द्वारा जानकारी दी गई कि वर्तमान में महाविद्यालय में 237 छात्र-छात्राएं दर्ज हैं। इस पर कलेक्टर ने गहरी चिंता व्यक्त करते हुए निर्देश दिए कि विद्यार्थियों की दैनिक उपस्थिति 100 प्रतिशत करने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि पदस्थ प्राध्यापक और शिक्षक नियमित रूप से



कॉलेज आएं और समय पर अपनी कक्षाएं लें। शैक्षणिक गुणवत्ता में कोई समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। दूर-दराज़ के ग्रामीण इलाकों से आने वाले विद्यार्थियों ने आवागमन (बस व्यवस्था) की समस्या से अवगत कराया, जिस पर कलेक्टर ने जल्द ही सुचारु परिवहन साधन उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया।

वरिष्ठ प्रशासनिक अमला रहा मुस्तैद

इस पूरे भ्रमण और शिविर आयोजन के दौरान शासन का शीर्ष प्रशासनिक अमला मौके पर मुस्तैद रहा। प्रमुख रूप स हरनीत कौर कलसी एसडीएम मानपुर, प्रत्युष श्रीवास्तव डिप्टी कलेक्टर, अभ्यानंद शर्मा तहसीलदार, मानपुर, रचयिता अवस्थी मुख्य नगरपालिका अधिकारी मानपुर, अंकित सिरौठिया मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत मानपुर के साथ ही राजस्व, विद्युत, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, महिला एवं बाल विकास, और कृषि विभाग के तमाम मैदानी अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

मायके वालों ने जताई हत्या की आशंका

विवाहिता की संदिग्ध मौत पर गरमाया मामला

मानपुर। इंदवार थाना अंतर्गत ग्राम चितराव में एक 24 वर्षीय विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत से इलाके में सनसनी फैल गई है। मृतका की पहचान प्रतिभा यादव पति संतोष यादव के रूप में हुई है, जिनका विवाह 2015 में हुआ था और उनके तीन बच्चे हैं। मायके पक्ष ने ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप लगाते हुए हत्या की आशंका जताई है और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर मानपुर अस्पताल में हंगामा कर दिया।

दोपहर में की थी मारपीट

शहडोल जिले के ग्राम ठेंगरहा स्थित मायके से आए परिजनों का दावा है कि मृतका प्रतिभा ने घटना वाले दिन दोपहर करीब 1 बजे अपने चाचा को फोन पर पति व ससुराल वालों द्वारा मारपीट किए जाने की जानकारी दी थी। परिजनों का कहना है कि उनके पास इस बातचीत की कॉल रिकॉर्डिंग भी सुरक्षित है। इसके कुछ ही घंटों बाद, शाम करीब 5 बजे एक रिश्तेदार के जरिए उन्हें प्रतिभा की मौत की मनहूस खबर मिली। पुलिस ने शुरुआती जानकारी में बताया कि शव को एक बांध से बाहर निकाला गया है।

शरीर पर चोट के निशान और भूसा मिलने से गहराया शक

मानपुर अस्पताल पहुंचे परिजनों ने जब शव को



देखा तो उनके आरोप और अधिक पुख्ता हो गए। परिजनों का दावा है कि मृतका के गाल और शरीर के अन्य हिस्सों पर गंभीर चोट के निशान हैं, गले पर दबाव के गहरे धब्बे हैं तथा शरीर पर गेहूं का भूसा चिपका हुआ मिला है। इन परिस्थितियों को देखते हुए मायके पक्ष ने इसे आत्महत्या न मानकर सोची-समझी हत्या करार दिया है।

महिला डॉक्टर से पोस्टमार्टम और वीडियोग्राफी की जिद

मायके पक्ष के लोग सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मानपुर में पोस्टमार्टम कराने से इंकार करते हुए शव को जिला चिकित्सालय शहडोल ले जाकर किसी महिला डॉक्टर से वीडियोग्राफी के साथ पोस्टमार्टम कराने की जिद पर अड़े हुए हैं। समाचार लिखे जाने तक करीब 25 की संख्या में महिला-पुरुष मानपुर अस्पताल परिसर में मौजूद थे और न्याय की गुहार लगा रहे थे। इस संवेदनशील मामले पर पुलिस का पक्ष जानने के लिए इंदवार थाना प्रभारी से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन फोन रिसीव नहीं हुआ। फिलहाल, मौत के वास्तविक कारणों से पर्दा पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस की गहन तफ्तीश के बाद ही उठ सकेगा।

कोतमा में कथित अवैध कारोबार का जाल

गांजा, सट्टा और कबाड़ से लेकर आवासीय क्षेत्र की शराब दुकान तक पर सवाल

बस स्टैंड के आगे शराब दुकान से देर रात तक हंगामे का आरोप

एलआईसी कार्यालय के पीछे गांजे की कथित बिक्री

ज्ञापन के बाद भी कार्रवाई नहीं होने से नागरिकों में नाराजगी

कोतमा। नगर में कथित अवैध कारोबार और शराब दुकान के आसपास की अव्यवस्था को लेकर नागरिकों की चिंताएं बढ़ रही हैं। कहीं शराब की कथित अवैध बिक्री और सट्टे की गतिविधियों को लेकर सवाल उठ रहे हैं, तो कहीं गांजे की कथित बिक्री और कबाड़ कारोबार की जांच की मांग की जा रही है। वहीं, बस स्टैंड के आगे आवासीय परिसर में संचालित शराब दुकान के आसपास देर रात तक हंगामा, गाली-गलौज और विवाद होने के आरोपों ने स्थानीय रहवासियों की परेशानी बढ़ा दी है। नागरिकों का कहना है कि शराब दुकान हटाने के लिए पहले भी ज्ञापन दिया गया, लेकिन अब तक समाधान नहीं होने से प्रशासन के प्रति नाराजगी बनी हुई है। बस स्टैंड के आगे आवासीय परिसर में संचालित शराब दुकान के आसपास शाम ढलते ही भीड़ जुटने और देर रात तक हंगामा होने की शिकायतें सामने आई हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि दुकान के आसपास शराब पीने वालों का जमघट लगता है। आसपास की मांस दुकानों में बैठकर शराब पीने, गाली-गलौज करने और विवाद की स्थिति बनने की भी शिकायतें हैं। वार्डवासियों और व्यापारियों के अनुसार, इस माहौल के कारण महिलाओं को शाम के बाद घर से निकलने में परेशानी होती है। बच्चों और युवाओं के सामने होने वाली गाली-गलौज तथा हंगामे को लेकर भी अभिभावक चिंतित हैं। लोगों का कहना है कि शराब दुकान हटाने के लिए पूर्व में ज्ञापन देने के बावजूद कार्रवाई नहीं हुई। ऐसे में सवाल उठता है कि शिकायतों पर संबंधित विभाग ने अब तक क्या कदम उठाए हैं।



एलआईसी कार्यालय के पीछे गांजे की कथित बिक्री

नगर के एलआईसी कार्यालय के पीछे गांजे की कथित बिक्री को लेकर भी जांच की मांग उठ रही है। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि होना बाकी है। यदि किसी स्थान पर मादक पदार्थों की अवैध बिक्री हो रही है, तो पुलिस को शिकायतों का सत्यापन कर नियमानुसार कार्रवाई करनी चाहिए। नशे से जुड़ी गतिविधियों पर नियंत्रण के लिए नियमित निगरानी और प्रभावी कार्रवाई जरूरी है। नगर के अलग-अलग इलाकों में निर्धारित व्यवस्था से बाहर शराब बेचे जाने और कथित सट्टा गतिविधियों को लेकर भी शिकायतें सामने आने की बात कही जा रही है। यदि इन गतिविधियों की पुष्टि होती है, तो संबंधित जिम्मेदारों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की जानी चाहिए। शराब की अवैध बिक्री पर नियंत्रण की जिम्मेदारी आबकारी विभाग की है, जबकि सट्टे और मादक पदार्थों से जुड़े मामलों में पुलिस की भूमिका महत्वपूर्ण है। नागरिकों की अपेक्षा है कि



संबंधित विभाग केवल शिकायतों तक सीमित न रहें, बल्कि जांच कर वास्तविक स्थिति स्पष्ट करें। इससे यह भी सामने आएगा कि अवैध गतिविधियों पर नियंत्रण के लिए निगरानी व्यवस्था कितनी प्रभावी है।

शिकायतें अनेक, कार्रवाई का इंतजार

कोतमा में शराब दुकान से जुड़ी जनसमस्याओं और अन्य कथित अवैध गतिविधियों को लेकर उठ रहे सवालों के बीच पुलिस प्रशासन, आबकारी विभाग और संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी बढ़ गई है। शराब दुकान के आसपास हंगामे की शिकायतों पर सुरक्षा और कानून-व्यवस्था के दृष्टिकोण से कार्रवाई जरूरी है, वहीं गांजा, सट्टा और कबाड़ कारोबार से जुड़े आरोपों की निष्पक्ष जांच भी आवश्यक है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि पूर्व में ज्ञापन दिए जाने के बावजूद आवासीय क्षेत्र की शराब दुकान को लेकर समाधान क्यों नहीं हुआ और अन्य शिकायतों की जांच के लिए संबंधित विभाग क्या कदम उठा रहे हैं? नागरिकों को उम्मीद है कि प्रशासन शिकायतों का सत्यापन कर दोष पाए जाने पर बिना भेदभाव कार्रवाई करेगा, ताकि नगर में शांति, सुरक्षा और कानून-व्यवस्था कायम रह सके।

हरद रेलवे अंडरब्रिज बना 'मौत का मुहाना' हादसे का इंतजार कर रहा रेल प्रशासन?

कई महीनों से 2-3 फीट पानी में डूबा रास्ता, जर्जर सड़क से गुजरना जोखिम भरा

बदरा/जमुना। हरद रेलवे स्टेशन के समीप स्थित रेलवे अंडरब्रिज की बदहाली ग्रामीणों के लिए मुसीबत बन गई है। कई महीनों से पुल के नीचे 2 से 3 फीट तक पानी जमा है और अप्रोच रोड गड्ढों में तब्दील हो चुकी है। इसके चलते स्कूली बच्चों, महिलाओं और ग्रामीणों का आवागमन जोखिम भरा हो गया है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि बार-बार शिकायतों के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या रेल प्रशासन किसी बड़े हादसे के बाद ही जागेगा? दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर रेल मंडल के अंतर्गत आने वाले इस अंडरब्रिज की बदहाली की तस्वीरें 23 अक्टूबर को सामने आईं। पुल के नीचे पानी भरा होने से हरद और जमुना क्षेत्र के लोगों को आवागमन में परेशानी हो रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार, रास्ता उपयोग के लायक नहीं रहने के कारण ग्रामीणों को करीब पांच किलोमीटर का



अतिरिक्त चक्कर लगाकर अपने गंतव्य तक पहुंचना पड़ता है। इससे समय और संसाधनों की बर्बादी के साथ रोजमर्रा के कामकाज और बच्चों की पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है। अंडरब्रिज में महीनों से पानी जमा रहने के बावजूद स्थायी जल निकासी की व्यवस्था नहीं होना रेल प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करता है। अप्रोच रोड भी जगह-जगह से क्षतिग्रस्त है। गहरे और ऊबड़-खाबड़ गड्ढों के बीच से गुजरना दोपहिया वाहन चालकों और पैदल यात्रियों के लिए खतरे से खाली नहीं है। पानी की गहराई का सही अंदाजा नहीं लग पाने से दुर्घटना की आशंका और बढ़ जाती है। स्थानीय स्तर पर रेलवे ट्रैक के नीचे पानी के रिसाव की आशंका भी जताई जा रही है। हालांकि, इसकी पुष्टि तकनीकी जांच के बाद ही हो सकेगी। ऐसे में रेलवे के इंजीनियरिंग विभाग को मौके का निरीक्षण कर जल निकासी की स्थिति और ट्रैक के आसपास की संरचनात्मक सुरक्षा की जांच करनी चाहिए, ताकि किसी संभावित खतरे को समय रहते दूर किया जा सके। स्थानीय लोगों का कहना है कि अंडरब्रिज की समस्या को लेकर कई बार शिकायतें की गईं, लेकिन अब तक राहत नहीं मिली। यदि शिकायतें संबंधित अधिकारियों तक पहुंची थीं, तो इतने लंबे समय से जलभराव और जर्जर सड़क की समस्या क्यों बनी हुई है? क्या स्थल निरीक्षण किया गया और जल निकासी व मरम्मत के लिए कोई कार्ययोजना बनाई गई? यदि योजना बनी, तो उस पर अमल क्यों नहीं हुआ? ये सवाल बिलासपुर रेल मंडल के जिम्मेदार अधिकारियों और संबंधित इंजीनियरिंग विभाग की जवाबदेही से जुड़े हैं।

एक्सप्रेस ट्रेनों को प्राथमिकता, पैसेंजर यात्रियों की सुरक्षा पर सवाल

बदरा/जमुना। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अनूपपुर-चिरमिरी रेलखंड पर पैसेंजर ट्रेन के परिचालन और ठहराव व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। गुरुवार, 22 अक्टूबर को ट्रेन संख्या 51756 के बिजुरी स्टेशन पर करीब आधे घंटे तक खड़े रहने और कोतमा स्टेशन पर निर्धारित समय से पहले रवाना होने के आरोपों ने यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। यात्रियों का आरोप है कि एक ओर एक्सप्रेस ट्रेन को रास्ता देने के लिए पैसेंजर ट्रेन को लंबे समय तक रोका गया, वहीं दूसरी ओर कोतमा में यात्रियों को चढ़ने-उतरने के लिए पर्याप्त समय नहीं दिया गया। जानकारी के अनुसार, ट्रेन संख्या 51756 का बिजुरी स्टेशन पर निर्धारित ठहराव 10 मिनट है। गुरुवार को ट्रेन देरी से पहुंची और दूसरी ट्रेन को रास्ता देने के कारण करीब 30 मिनट तक खड़ी रही। इससे दैनिक यात्रियों, मजदूरों, छोटे व्यापारियों और मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ा। यात्रियों का कहना है कि रेल परिचालन में दूसरी ट्रेनों को रास्ता देना आवश्यक हो सकता है, लेकिन इसके कारण पैसेंजर यात्रियों को होने वाली परेशानी को भी गंभीरता से लिया जाना चाहिए। खासकर उन यात्रियों के लिए लंबा इंतजार मुश्किल होता है, जो रोजमर्रा के काम, इलाज और रोजगार के लिए इस ट्रेन पर निर्भर हैं। कोतमा स्टेशन पर भी ट्रेन के ठहराव को लेकर शिकायत सामने आई है। यहां ट्रेन का निर्धारित ठहराव दो मिनट बताया गया है। आरोप है कि बिजुरी में देरी के बाद कोतमा स्टेशन पर ट्रेन को एक मिनट भी पूरा रोके बिना कुछ ही सेकंड में रवाना कर दिया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रेन के अचानक चलने से प्लेटफॉर्म पर मौजूद यात्रियों में अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। कुछ बुजुर्गों और महिलाओं ने चलती ट्रेन में चढ़ने का प्रयास किया, जिससे दुर्घटना की आशंका पैदा हो गई। हालांकि, इस मामले में रेलवे का आधिकारिक पक्ष सामने नहीं आया है और घटनाक्रम की स्वतंत्र पुष्टि होना बाकी है। अनूपपुर-चिरमिरी रेलखंड कोयलांचल और आदिवासी बहुल क्षेत्र के हजारों लोगों के लिए आवागमन का महत्वपूर्ण साधन है।

खबर संक्षेप

मां वीरासन देवी मंदिर के जवारे विसर्जन में उमड़ी भीड़

सिलौंडी। सिलौंडी के प्रसिद्ध मां वीरासन देवी मंदिर के ज्वारे और महाकाली विसर्जन देखने भक्तों की भारी भीड़ पहुंची। पूरे विधि विधान से पंडा ने कांटो के झूले में झूला साथ ही सैकड़ों की संख्या में लोगों को माता का भाव आया है । विसर्जन कार्यक्रम में बड़वारा विधायक धीरेंद्र बहादुर सिंह ने अपने साथियों के साथ पहुंचे और माता का आशीर्वाद लिया ।इस दौरान क्षेत्र के जनप्रतिनिधि और हजारों की संख्या में भक्त मौजूद रहे । साथ ही थाना प्रभारी महिला रघुवंशी, चौकी प्रभारी अनिल पांडे ने सुरक्षा व्यवस्था संभाला।

नगर निगम में सामूहिक विवाह 20 नवम्बर को

कटनी। मुख्यमंत्री कन्या विवाह, निकाह योजना के तहत नगर पालिक निगम, कटनी द्वारा सामूहिक विवाह का भव्य आयोजन 20 नवम्बर 2026 को नगर निगम परिसर में किया जाना निर्धारित है। महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी, निगम अध्यक्ष श्री मनीष पाठक एवं निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार ने निगम क्षेत्र के पात्र हितग्राहियों से निर्धारित तिथि तक आवेदन जमा कर योजना का लाभ उठाने की अपील की है। योजना प्रभारी, नगर निगम कटनी ने बताया कि योजना अंतर्गत पात्रता हेतु कन्या तथा कन्या के अभिभावक का गरीबी रेखा के नीचे जीवन निर्वाह करना तथा उनका बीपीएल पोर्टल पर सत्यापन होना अनिवार्य है। योजना का लाभ लेने हेतु इच्छुक हितग्राही नगर निगम कार्यालय की योजना शाखा के कक्ष क्रमांक 36 से निर्धारित प्रपत्र प्राप्त कर आवश्यक दस्तावेजों सहित 05 नवंबर तक अनिवार्य रूप से आवेदन जमा करें। विवाह हेतु वर-वधु का मध्यप्रदेश का मूल निवासी होना अनिवार्य है। वधु की आयु 18 वर्ष एवं वर की आयु 21 वर्ष से कम नहीं होनी चाहिए। आवेदन के साथ वर-वधु के आयु संबंधी प्रमाण पत्र, दोनों की समग्र आई.डी., समग्र आई.डी. में आधार नंबर E-kyc, वधु का राष्ट्रीयकृत बैंक में खाता, वर-वधु की संयुक्त फोटो, राशन कार्ड, मोबाइल नंबर एवं निगम क्षेत्र का निवासी होना अनिवार्य किया है।

निगम सेवाओं को घर बैठे प्राप्त करने टोल फ्री नंबर

कटनी। आम नागरिकों से संबंधित मूलभूत समस्याओं की शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया को आसान बनाने और निगम की सेवाओं को आमजन तक सुलभ बनाने के उद्देश्य से नगर पालिक निगम कटनी द्वारा एक शहर के सार्वजनिक स्थलों पर टोल फ्री नंबरों का लेखन कराया जा रहा है।

नल-जल योजना के ट्रांसफार्मर से कॉपर चोरी का आरोपी गिरफ्तार लाखों का माल बरामद



बुढ़ार। ग्राम चिटहूला डोंगरी टोला में नल-जल योजना के लिए लगाए गए विद्युत ट्रांसफार्मर से कॉपर चोरी करने वाले फरार आरोपी को बुढ़ार पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के कब्जे से चोरी किया गया 10 किलो कॉपर बरामद किया गया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, रीवा जिले के लालगांव चौकी क्षेत्र अंतर्गत प्रभाती पुरवा निवासी ब्रजेश कुमार तिवारी (30 वर्ष) ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। फरियादी नल-जल योजना का कार्य देख रहे ठेकेदार शिवेंद्र कुमार तिवारी के अधीन कार्यरत है। ग्राम चिटहूला डोंगरी टोला में योजना के तहत पानी की टंकी, पाइपलाइन और बिजली संबंधी कार्य चल रहा था। 16 सितंबर 2026 को ग्राम चिटहूला के उपसरपंच गेंदा लाल कोल ने फोन पर सूचना दी कि 4 सितंबर को लगाया गया ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्त है। मौके पर जाकर देखने पर पता चला कि ट्रांसफार्मर का लोहे का ढांचा तो वहीं टंगा था, लेकिन उसके अंदर का सारा सामान चोरी हो चुका था।मामले में बुढ़ार पुलिस ने अपराध क्रमांक 668/26 के तहत धारा 303(2) बीएनएस, 136 विद्युत अधिनियम एवं 3(2) लोक संपत्ति क्षति निवारण अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।नगर निरीक्षक खेम सिंह पेंद्रो ने बताया कि मामले में नामजद आरोपी श्याम सुंदर कोल (31 वर्ष), निवासी ग्राम चिटहूला, घटना के बाद से फरार चल रहा था। पुलिस ने घेराबंदी कर 22 अक्टूबर 2026 की रात करीब 10 बजे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। कड़ाई से पूछताछ के बाद आरोपी के कब्जे से चोरी गया 10 किलो कॉपर (अनुमानित कीमत लगभग 14,000 रुपये) जब्त कर लिया गया है। पुलिस आरोपी के खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

दर्दनाक हादसा: नगर परिषद कार्यालय के समीप कमरे में युवक ने लगाई फांसी, मौके पर पहुंची पुलिस



बुढ़ार। बुढ़ार थाना अंतर्गत नगर परिषद कार्यालय के समीप एक युवक द्वारा कमरे के अंदर फांसी लगाकर आत्महत्या किए जाने का मामला सामने आया है। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंच गई और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान शिवम कुशवाहा (पिता संजू कुशवाहा, उम्र करीब 26 वर्ष) निवासी सिंहपुर, थाना सिंहपुर, जिला शहडोल (मध्य प्रदेश) के रूप में हुई है।

घटना की सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस बल तुरंत मौके पर पहुंचा और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई पूरी की। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। युवक ने यह खौफनाक कदम किन कारणों से उठाया, फिलहाल इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है। पुलिस मामले के सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मर्ग कायम कर जांच में जुटी हुई है।

मुख्यमंत्री जन विश्वास कार्यक्रम में ग्राम कोटा बिजली बिल लो-वोल्टेज और विद्युत आपूर्ति से जुड़ी 886 शिकायतों का हुआ निराकरण



बुढ़ार। शुक्रवार को मुख्यमंत्री जन विश्वास कार्यक्रम के अंतर्गत तहसील बुढ़ार की ग्राम पंचायत कोटा में 'उद्यम संवाद' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ प्राप्त कर अपना उद्यम स्थापित करने वाले हितग्राहियों ने सहभागिता की। इस दौरान हितग्राहियों ने अपने उद्यम की सफलता, शासकीय योजनाओं से मिली वित्तीय सहायता तथा उससे हुए लाभ के अनुभव साझा किए। शिविर में जैतपुर विधायक जय सिंह मरावी एवं विभागीय अधिकारियों के मौजूदगी में।

1,048 शिकायतों में से 886 का समाधान

कार्यक्रम के दौरान विद्युत विभाग के कार्यपालन अभियंता जितेंद्र गुप्ता ने विद्युत संबंधी शिकायतों के निराकरण की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बुढ़ार ब्लॉक के विद्युत विभाग उप संभाग में कुल 1,048 शिकायतें प्राप्त हुई थीं। इनमें मुख्य रूप से बिजली बिल, लो-वोल्टेज, विद्युत आपूर्ति तथा नए विद्युत कनेक्शन से संबंधित शिकायतें शामिल थीं।विद्युत विभाग द्वारा प्राप्त शिकायतों के निराकरण के लिए त्वरित कार्रवाई करते हुए अब तक 886 शिकायतों का समाधान किया जा चुका है। शेष शिकायतों के निराकरण की प्रक्रिया भी विभागीय स्तर पर जारी है। शिविर के दौरान विद्युत विभाग के सहायक अभियंता विकास गोंडदुडे सहित विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य शासकीय योजनाओं का लाभ लेने वाले हितग्राहियों से संवाद स्थापित करने के साथ-साथ आमजन की समस्याओं का मौके पर समाधान

लालपुर हवाई पट्टी का उन्नयन प्रस्ताव पर कोई कार्यवाही नहीं हुई

शहडोल। संभाग के अंतर्गत हवाई सुविधा के प्रस्ताव पर शासन विभाग द्वारा कि किसी प्रकार की कोई कार्यवाही आज तक नहीं हो पाई। कांग्रेस के नेता लवकेश गर्ग लवकेश गर्ग ने बताया की लालपुर एयरपोर्ट का उन्नयन प्रस्ताव शहडोल जिला मुख्यालय से लगा हुआ लालपुर हवाई अड्डा है लेकिन जिला प्रशासन और विमानन विभाग द्वारा लालपुर हवाई पट्टी का उन्नयन प्रस्ताव पर कोई कार्यवाही नहीं हुई इसलिए आज इसलिए शहडोल जिला का व्यापार एवं मेडिकल सुविधा का लाभ लोगों को नहीं मिल पा रहा है। शहडोल जिले के आसपास जबकि शहडोल जिले के आसपास 6 से बड़े ज्यादा उद्योग है इसमें रिलायंस प्रोजेक्ट पेपर मिल सच्चाई बिरसिंहपुर पाली जेनरेटिंग कंपनी थर्मल पावर माइंस एसेंशियल जैतहरी निजी पावर हाउस बांधवगढ़ टाइगर कंजर्वेशन भी शामिल है 16 अगस्त 2021 जिला प्रशासन ने विभाग भोपाल को 62 करोड़ 73 लख रुपए से लालपुर हवाई पट्टी भेजा था उन्नयन का प्रस्ताव भेजा था इस प्रस्ताव में अभी तक कोई विचार नहीं किया गया। कांग्रेस नेता लवकेश गर्ग ने संभाग के आठ विधायक मंत्री प्रभारी मंत्री हर महीने की मीटिंग करने जिला कलेक्ट्रेट आते हैं तब भी आज तक किसी प्रकार की कोई कार्यवाही नहीं हुई। संभाग के नागरिक केंद्र सरकार से मांग की है शहडोल आदिवासी बहुल जिला है एयरपोर्ट बन जाने से विकास की नई गति एवं रोजगार मिलेगा इसके पहले भी समाचार पत्रों के माध्यम से प्रशासन जिला प्रशासन को अगस्त कर चुके हैं लेकिन अभी भी कोई विचार नहीं किया जा रहा है।

ब्यौहारी में रावण दहन कार्यक्रम संपन्न



ब्यौहारी। नगर परिषद के अंतर्गत रावण दहन कार्यक्रम की 21/10/26 अक्टूबर को स्टेडियम में भव्य समारोह आयोजित किया गया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक शरद कोल विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री कृष्ण गुप्ता राजन, संतोष कुमार शुक्ला उपस्थित थे कार्यक्रम नगर परिषद की ओर से आयोजित किया गया केसरी कला परिषद के एक से बढ़कर एक कार्यक्रम ने लोगों के बीच में समा बांध दिया राम रावण का संवाद भी हुआ जिसमें राम के चरित्र को आवाज दी विजय प्रधान ने और रावण के चरित्र को आवाज दिया अमृतलाल गुप्ता ने मां दुर्गा मां काली आदि की झांकी भी निकली गई राम रावण के युद्ध के बाद भगवान राम ने रावण का संघार किया । कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने कहा कि रावण के अंत में बता दिया है कि अन्याय अत्याचार चाहे जितना भी शक्तिशाली हो वह सत्य से जीत नहीं सकता तभी तो तीनों लोक के स्वामी को साधारण वनवासी राम ने वानर एवं भालूओ की सेना लेकर हरा दिया कार्यक्रम में प्रमुख रूप से अर्चना मिश्रा एसडीएम, ऋषभ छारी एसडीओपी, शिवांगी पांडे मुख्य नगर पालिका अधिकारी, अंकिता पांडे नायब तहसीलदार, चंद्रकली पटेल उपाध्यक्ष, पार्षद गण, भाजपा मंडल अध्यक्ष, अधिकारी एवं जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे कार्यक्रम का संचालन पुष्पेंद्र चतुर्वेदी राजस्व निरीक्षक एवं चंद्रभान गुप्ता जन शिक्षक ने किया रावण दहन कार्यक्रम में आसपास के ग्रामीणों , नगरजनों सहित 10000 लोग कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।

नगर सैनिक ने की वृद्ध महिला से मारपीट

पुलिस ने दर्ज किया मामला

मामला दर्ज होने के बाद भी महिला को कर रहे परेशान, महिला और उसके बेटे का निकालना हुआ मुश्किल



ब्यौहारी। थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम बराछ की निवासी शिवकुमारी तिवारी पातीराम किशोर तिवारी द्वारा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई की मेरे परिवार के रामराज तिवारी, राजकुमार तिवारी, उर्मिला तिवारी एवं उनका परिवार मेरा घर और जमीन को हड़पना चाहता है बार-बार धमकी दी जाती है कि घर छोड़कर निकल जाओ नहीं तो जान से मार देंगे दिनांक 5 अक्टूबर को सब लोगों ने एक राय बनाकर मुझे अपने घर के खींचकर अंदर ले गए मेरी साड़ी को खोल दिया और मेरे साथ मारपीट की जा रही थी मेरे पुत्र दीपेश तिवारी ने घटना देखकर तुरंत डायल 112 में सूचित किया 112 की पहुंचने पर आरोपियों द्वारा मुझे छोड़ा गया उक्त लोग मेरे पुत्र की हत्या करना चाहते हैं मेरा एक पुत्र बाहर रहता है एवं मेरे पति व्यवहारी मंदिर में पुजारी हैं मैं गरीब ,बेबस महिला हूं इसलिए मेरी जमीन और घर पर नजर गडाये हुये हैं रामराज तिवारी नगर सैनिक के रूप में शहडोल में काम करता है उसका कहना है कि मैं पुलिस में स्वयं हूं मुझे कुछ नहीं होगा घटना के बाद मेरी रिपोर्ट पर पुलिस द्वारा भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 296 बी, 115 2, 351(2), 3(5) के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है इसके बाद से ही आरोपी चिढ़ गए हैं जहां रिपोर्ट दर्ज होने के बाद अपराधियों को पुलिस से डरना चाहिए लेकिन उनके तो और हौसले बुलंद हो गए। और अब मेरा घर से निकलना मुश्किल किए हुए हैं मीडिया में अपनी परेशानी बताते हुए महिला ने कहा कि रात में मैं घर से निकल नहीं सकती बाथरूम करने भी नहीं जा सकती इस तरह से प्रताड़ित किए हुए बेबस महिला ने पुलिस अधीक्षक से आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है।

होटल संचालक पर फायर करने वाले 4 गिरफ्तार, भेजा जेल

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी



कुठला थाना क्षेत्र अंतर्गत इंद्रानगर स्थित शाल्या होटल के संचालक पर कट्टे से फायरिंग करने के मामले में पुलिस ने चार आरोपियों को घटना के चंद घंटों के भीतर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने मुख्य आरोपी सुनील यादव के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त कट्टा और फरार होने में इस्तेमाल की गई पल्सर व अपाचे मोटरसाइकिल जब्त की हैं। चारों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया।

पुलिस के अनुसार जयप्रकाश वार्ड नई बस्ती निवासी प्रेमशंकर राय 56 वर्ष ने 21 अक्टूबर को कुठला थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि वह होटल के कार्यालय में बैठे थे। रात करीब 9 बजे सुनील यादव अपने तीन साथियों के साथ होटल में कमरा बुक कराने पहुंचा। कमरा देने से मना करने पर सुनील ने गाली-गलौज शुरू कर दी और कट्टा निकालकर जान से मारने की नीयत से गोली चला दी। प्रेमशंकर राय के झुक जाने के कारण गोली उनके बगल से निकल गई। इसके बाद चारों आरोपियों ने उनके साथ झूमाझटकी और मारपीट की तथा मौके से फरार हो गए। रिपोर्ट पर पुलिस ने अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की।

वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक अखिलेश दाहिया ने पुलिस टीमों का गठन किया। मुखबिर तंत्र सक्रिय करने के साथ घटनास्थल का निरीक्षण किया और सीसीटीवी फुटेज सहित भौतिक एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की तलाश शुरू की। आरोपियों की धरपकड़ के लिए अमानगंज, जिला पन्ना सहित अन्य संभावित स्थानों पर टीमें भेजी गईं। पुलिस ने चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार आरोपियों में सुनील यादव (32), निवासी ग्राम डोभा, थाना कोतवाली पन्ना, हाल निवासी इंद्रानगर गली नंबर-9 कटनी, पवन यादव (18), निवासी ग्राम गनियारी, थाना सेमरिया, जिला पन्ना; जयपाल उर्फ मुन्ना यादव (25) तथा ब्रजेश यादव (24), दोनों निवासी ग्राम डोभा, थाना कोतवाली, जिला पन्ना शामिल हैं। पुलिस ने मुख्य आरोपी सुनील यादव से वारदात में प्रयुक्त कट्टा और दोनों मोटरसाइकिलें विधिवत जब्त की हैं।

कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक अखिलेश दाहिया, उपनिरीक्षक विनोद सिंह, एएसआई श्याम सिंह, प्रधान आरक्षक अजीत मिश्रा, रामेश्वर सिंह, अजय यादव, आलोक तिवारी, ताहिर खान तथा आरक्षक पुष्पेंद्र त्रिपाठी, विजय प्रजापति, विजय राणा शामिल रहे।

जुलूस पर पत्थर फेकने वाले पति पत्नी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

बड़वारा थाना अंतर्गत ग्राम रोहनिया में दशहरा पर्व के दौरान दुर्गा प्रतिमा विसर्जन जुलूस पर पत्थरबाजी के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार घटना के बाद दोनों आरोपी फरार हो गए थे और रीवा की ओर जा रहे थे। मामला दर्ज होने के तीन घंटे के भीतर पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस के अनुसार 20 अक्टूबर की रात करीब 10 बजे ग्राम रोहनिया के बाजार चौक स्थित आदिवासी मोहल्ले में मां दुर्गा की प्रतिमा का विसर्जन जुलूस निकाला जा रहा था। इसी दौरान छत से दुर्गा प्रतिमा पर पत्थर फेंके जाने की घटना हुई। पत्थर प्रतिमा के साथ-साथ जुलूस में शामिल लोगों को भी लगे।

'शिकायत एवं सुझाव' व्हाट्सएप ग्रुप बना नगर वासियों की आवाज, सामान्य बैठक नहीं होने से बड़े विकास कार्य अटके



अमलाई। नगर परिषद बकहो में एल्डरमेन पार्षद बनने के बाद डॉ. राहुल जैन जनसमस्याओं के समाधान को लेकर सक्रिय नजर आ रहे। उनके द्वारा बनाए गए 'शिकायत एवं सुझाव' व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से नगरवासी स्ट्रीट लाइट, नाली, साफ-सफाई, पेयजल, हैंडपंप और सड़क संबंधी समस्याएं सीधे साझा कर रहे हैं। जहा डॉ. जैन अधिकारियों एवं कर्मचारियों से समन्वय बनाकर अब तक सैकड़ों समस्याएं उठाने और उनमें से अनेक का निराकरण कराने की पहल कर चुके हैं।ग्रुप में नगर परिषद के कर्मचारी भी जुड़े हैं, जिससे शिकायतें सीधे संबंधित कर्मचारियों तक पहुंचती हैं। इससे नागरिकों को छोटी-छोटी समस्याओं के लिए बार-बार नगर परिषद कार्यालय के चक्कर लगाने से राहत मिल रही है। डॉ. राहुल जैन नगर के विभिन्न वार्डों में मूलभूत सुविधाओं के साथ मंदिर परिसरों में प्रकाश व्यवस्था, साफ-सफाई, रंग-रोगन और जीर्णोद्धार के कार्यों के लिए भी प्रयासरत हैं। उनके प्रयासों पर नागरिकों ने आभार व्यक्त किया है।

सामान्य बैठक नहीं होने पर उठाए सवाल

डॉ. जैन ने बताया कि एल्डरमेनों की नियुक्ति के बाद से नगर परिषद बकहो में अब तक सामान्य बैठक आयोजित नहीं हुई है। इसके कारण सड़क, नाली निर्माण, पेयजल और अन्य बड़े विकास कार्यों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा एवं निर्णय लेने में कठिनाई हो रही है। उन्होंने नगर परिषद प्रशासन से शीघ्र सामान्य बैठक आयोजित करने की मांग की, ताकि लंबित विकास कार्यों पर आवश्यक निर्णय हो सकें।

कश्मीर के केसर से महकी कटनी की धरती, किसान ने 25-30 बीजों से जगाई उम्मीद

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

कश्मीर की वादियों में खिलने वाला लाल सुर्ख केसर अब कटनी की मिट्टी में भी अपनी खुशबू बिखेर रहा है। ढीमरखेड़ा के प्रयोगधर्मी किसान माखन लाल यादव ने पाली मरसिहुड़ी में केसर उगाकर खेती में नवाचार की नई इबारत लिखी और किसानों के लिए संभावनाओं के नए द्वार खोले। किसान ने महज 25 से 30 बीजों से केसर की खेती का प्रयोग शुरू किया। उनकी यह पहल बताती है कि खेती में कुछ नया करने की जिज्ञासा किसानों के लिए संभावनाओं के नए दरवाजे खोल सकती है।

माखन लाल यादव को उनके गांव में राजस्थान से गर्म कपड़े बेचने आने वाले कुछ लोगों से बातचीत के दौरान पता चला कि उनके क्षेत्र में केसर की खेती की संभावना हो सकती है। इस जानकारी ने उनके मन में उत्सुकता जगाई। उन्होंने बीज मंगवाए और अपने खेत के छोटे-से हिस्से में बो दिए।



नियमित देखभाल के बाद पौधों में गांठें बनने लगीं और लाल सुर्ख फूल खिल उठे। खेत में खिले इन फूलों को देखकर किसान का उत्साह बढ़ा और उन्होंने आसपास के लोगों को भी अपना प्रयोग दिखाया।

फूलों की पंखुड़ियों से बढ़ी उम्मीद

माखन लाल ने फूलों की पंखुड़ियां एकत्रित कर सुखाईं। स्थानीय स्तर पर जानकारी जुटाने पर उन्हें इसकी कीमत करीब 400 रुपये प्रति ग्राम तक बताए जाने की जानकारी मिली। इससे उनकी उत्सुकता और बढ़ी। हालांकि, वास्तविक आमदनी का आकलन उपज की गुणवत्ता, बिक्री योग्य मात्रा और बाजार में मिलने वाली कीमत से ही होगा।

किसानों की उपज को बेहतर बाजार दिलाने के उद्देश्य से मानव जीवन विकास समिति द्वारा संचालित संगमबीडी एफपीओ काम कर रहा है। समिति के सचिव एवं पर्यावरणविद् निर्भय सिंह के अनुसार, एफपीओ किसानों को बड़ी कंपनियों और नीमच मंडी जैसे बाजारों तक पहुंच बनाने में सहयोग देता है। समिति के कार्यकर्ता सुरेश दुबे ने गांव में किसान यादव से मुलाकात के दौरान उनके केसर उत्पादन का अनुभव जाना। माखन लाल यादव का यह प्रयोग खेती में नवाचार की प्रेरक मिसाल है।

जिले को मिली 880 मीट्रिक टन नीम कोटेड यूरिया

कटनी उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कलेक्टर आशीष तिवारी द्वारा वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों से निरंतर संवाद और सार्थक प्रयासों की वजह से नीम कोटेड यूरिया की एक और रैक झुकेही रैक पॉइंट पर आ गई है। इससे जिले को 880 मीट्रिक टन यूरिया मिलेगी। जिला विपणन अधिकारी आनंद नारायण पाण्डेय ने बताया कि स्लीमनाबाद, बरही और बहोरीबंद डबल लॉक केन्द्र को 30-30 मीट्रिक टन यूरिया और कटनी व मझंगवा बड़वारा डबल लॉक केंद्र को 90 मीट्रिक टन यूरिया आवंटित की जाएगी। वहीं जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक कटनी को 340 मीट्रिक टन तथा एमपी एग्रो कटनी को 60 मीट्रिक टन यूरिया आवंटित की जाएगी। वहीं सीएमएस कटनी, सीएमएस उमरियापान-ढीमरखेड़ा, सीएमएस रीठी, सीएमएस बड़वारा, सीएमएस बाकल, सीएमएस स्लीमनाबाद और सीएमएस ढीमरखेड़ा को 30-30 मीट्रिक टन यूरिया आवंटित की जाएगी। ई-विकास 2.0 के तहत किसानों की सुविधा के लिए मोबाइल पर वाट्सएप बॉट के माध्यम से टोकन जनरेट करने की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है।



जेसीबी से निकाला गया पिकअप में फंसा शव, सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

फाटक विहीन रेलवे क्रॉसिंग पर लोको ट्रेन ने पिकअप को मारी टक्कर, हेल्पर की मौत, 6 घायल

संजयनगर डबल स्टोरी के पास देर रात हुआ भीषण हादसा

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

संजयनगर डबल स्टोरी के पास देर रात लोको ट्रेन और पिकअप के बीच हुई भीषण टक्कर में एक हेल्पर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पिकअप चालक सहित छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। पुलिस की मदद से घायलों को जिला चिकित्सालय अनूपपुर पहुंचाया गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि पिकअप में फंसे मृतक के शव को निकालने के लिए जेसीबी की मदद लेनी पड़ी। घटना के बाद रेलवे क्रॉसिंग पर फाटक की व्यवस्था और सुरक्षा इंतजामों को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं।

कोयला लेने जा रही थी लोको ट्रेन

प्राप्त जानकारी के अनुसार, अमरकंटक ताप विद्युत गृह चचाई से लोको ट्रेन कोयला लेने के लिए संगवा साइडिंग की ओर जा रही थी। इसी दौरान संजयनगर डबल स्टोरी के पास लोको ट्रेन और पिकअप के बीच टक्कर हो गई। हादसे में पिकअप सवार हेल्पर की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि चालक समेत छह अन्य लोग घायल हो गए। दुर्घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू कराया। घायलों को उपचार के लिए जिला चिकित्सालय भेजा गया। वहीं, पिकअप में फंसे मृतक के शव को जेसीबी की मदद से बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल पहुंचाया गया।

फाटक नहीं होने से सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल

हादसे के बाद रेलवे क्रॉसिंग पर सुरक्षा इंतजामों को लेकर



गंभीर सवाल उठ रहे हैं। जानकारी के अनुसार, अमरकंटक ताप विद्युत गृह से कोयला परिवहन के लिए संचालित लोको ट्रेन का संचालन निजी कंपनी करती है। बताया जाता है कि सुरक्षा की दृष्टि से कंपनी को विभिन्न स्थानों पर फाटक लगाने की स्वीकृति दी गई थी। इसके बावजूद सभी निर्धारित स्थानों पर फाटक लगाए जाने और उनके नियमित संचालन को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। स्थानीय स्तर पर आरोप लगाया



जा रहा है कि संबंधित स्थान पर फाटक की व्यवस्था नहीं होने के कारण यह दुर्घटना हुई। यदि क्रॉसिंग पर पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम मौजूद होते, तो हादसे को टालने की संभावना की भी जांच की जानी चाहिए। हालांकि, दुर्घटना किन परिस्थितियों में हुई और इसमें सुरक्षा संबंधी किसी चूक की भूमिका रही या नहीं, यह जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

जिम्मेदार कौन?

एक व्यक्ति की मौत और छह लोगों के घायल होने के बाद सबसे बड़ा सवाल यही है कि दुर्घटनास्थल पर सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम क्यों नहीं थे। यदि संबंधित स्थान पर फाटक लगाना स्वीकृत था, तो उसकी स्थिति और सुरक्षा व्यवस्था की जिम्मेदारी किसकी थी? क्या लोको ट्रेन के संचालन से पहले क्रॉसिंग पर आवश्यक सावधानियां बरती जा रही थीं? इन सवालों का जवाब संबंधित कंपनी और जिम्मेदार विभागों की जांच से ही सामने आएगा। फिलहाल हादसे ने रेलवे क्रॉसिंग पर सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा और जिम्मेदारी तय करने की जरूरत को उजागर कर दिया है।

अमरकंटक के कपिलधारा-दूधधारा मार्ग पर महिला पर्यटक से लूटपाट, हंसिए जैसे धारदार हथियार से हमला

पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर से आए आठ सदस्यीय परिवार के साथ घटना

घायल महिला ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में कराया उपचार; सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक

पवित्र नगरी अमरकंटक के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल कपिलधारा से आगे दूधधारा जलप्रपात की ओर जाने वाले मार्ग पर पश्चिम बंगाल से घूमने आई एक महिला पर्यटक के साथ लूटपाट और हमले की घटना सामने आई है। महिला पर्यटक के अनुसार, एक अज्ञात व्यक्ति ने रास्ते में उन्हें रोककर पर्स छीन लिया और हंसिए जैसे धारदार हथियार से उनके हाथों पर वार कर दिया। घटना में महिला के हाथों में चोटें आईं। वारदात के बाद पर्यटक परिवार में भय का माहौल बन गया। परिवार ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अमरकंटक में महिला का उपचार कराया और इसके बाद अपने घर के लिए रवाना हो गया। घटना के बाद कपिलधारा-दूधधारा मार्ग पर पर्यटकों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े होने लगे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर से आठ सदस्यीय परिवार 22 अक्टूबर को अमरकंटक भ्रमण के लिए आया था। परिवार के सदस्य यहां स्थित गायत्री मंदिर में ठहरे हुए थे। इसी दौरान परिवार के सदस्य देवाशीष नंदी, जो दुर्गापुर स्टील में कार्यरत हैं, अपनी पत्नी देवजानी नंदी के साथ कपिलधारा और दूधधारा जलप्रपात देखने पहुंचे थे। बताया गया कि दोपहर करीब 3 बजे दूधधारा से वापस लौटते समय महिला के साथ यह घटना हुई। पीड़िता देवजानी नंदी ने बताया कि दूधधारा से वापस लौटते समय रास्ते में करीब 50 वर्ष की उम्र का एक अज्ञात व्यक्ति दिखाई दिया। उसने काले रंग की शॉल ओढ़ रखी थी, उसके बाल बिखरे हुए थे और उसके हाथ में हंसिए जैसा धारदार हथियार था। महिला के अनुसार, उस व्यक्ति ने उन्हें रास्ते में रोक लिया और उनका पर्स छीन लिया। इसके बाद उसने धारदार हथियार से उनके हाथों पर वार कर दिया, जिससे उन्हें चोटें आईं। घटना के



समय उनके पति देवाशीष नंदी पीछे की ओर से आ रहे थे। महिला ने अपने पति को घटना की जानकारी दी। इसके बाद परिवार के सदस्य उन्हें उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अमरकंटक लेकर पहुंचे, जहां उनका इलाज कराया गया। पीड़िता के मुताबिक, छीने गए पर्स में मोबाइल फोन और नकदी रखी हुई थी। घटना के बाद परिवार के सदस्य सहमे हुए थे और उन्हें क्षेत्र में अपनी सुरक्षा को लेकर चिंता सताने लगी।

पुलिस को दी सूचना, दूरी की परेशानी के कारण नहीं कराई रिपोर्ट

पीड़िता ने बताया कि घटना के संबंध में पुलिस को जानकारी दी गई थी, लेकिन उनके द्वारा औपचारिक रूप से रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई गई। महिला के अनुसार, पुलिस की ओर से उनसे पूछा गया कि भविष्य में आवश्यकता पड़ने पर क्या वे दोबारा अमरकंटक आ सकेंगी। इस पर उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल से अमरकंटक की दूरी काफी अधिक है और बार-बार यहां आना उनके लिए परेशानी भरा होगा। इसी वजह से उन्होंने रिपोर्ट दर्ज कराने की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ाई। महिला ने कहा कि इस प्रकार की घटना किसी भी पर्यटक के साथ होना चिंताजनक है। लोग दूर-दराज के क्षेत्रों से अमरकंटक की प्राकृतिक सुंदरता और धार्मिक स्थलों के दर्शन करने आते हैं, लेकिन यदि पर्यटन स्थलों तक पहुंचने वाले मार्गों पर सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं होंगे, तो पर्यटक स्वयं को असुरक्षित महसूस करेंगे। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं।

घटना के बाद भयभीत परिवार घर के लिए रवाना

पीड़िता ने बताया कि वारदात के बाद परिवार के सदस्यों में भय व्याप्त हो गया था। उपचार कराने के बाद उन्होंने अमरकंटक में आगे रुकने के बजाय वापस अपने घर जाने का निर्णय लिया। पर्यटन के उद्देश्य से आए परिवार के लिए यह घटना एक अप्रिय अनुभव बन गई। इस घटना ने एक बार फिर पर्यटन स्थलों पर आने वाले सैलानियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पर्यटक जब किसी अनजान क्षेत्र में भ्रमण के लिए जाते हैं, तो उन्हें उम्मीद रहती है कि वहां आवश्यक सुरक्षा सुविधाएं उपलब्ध होंगी और किसी आपात स्थिति में तत्काल सहायता मिल सकेगी। ऐसे में इस तरह की घटना पर्यटन स्थल की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाती है।

मोबाइल नेटवर्क, सीसीटीवी और पुलिस गश्त का अभाव बना चिंता का विषय

कपिलधारा और दूधधारा अमरकंटक के प्रमुख पर्यटन स्थलों में शामिल हैं। यहां प्राकृतिक सौंदर्य और जलप्रपातों को देखने के लिए बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंचते हैं। इसके बावजूद, इस क्षेत्र में मोबाइल नेटवर्क की समस्या, सीसीटीवी कैमरों की अनुपलब्धता और नियमित पुलिस गश्त को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। पर्यटन स्थल के मार्गों पर यदि मोबाइल नेटवर्क उपलब्ध नहीं रहता है, तो किसी अप्रिय घटना या आपात स्थिति में पर्यटकों के लिए पुलिस अथवा अन्य सहायता सेवाओं से संपर्क करना मुश्किल हो सकता है। वहीं, सीसीटीवी कैमरों और नियमित निगरानी के अभाव में संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखना भी चुनौतीपूर्ण हो जाता है। ऐसे संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम होना आवश्यक है, ताकि पर्यटक बिना किसी भय के भ्रमण कर सकें।

प्रशासन से सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग

महिला पर्यटक के साथ हुई घटना के बाद कपिलधारा-दूधधारा मार्ग पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग उठ रही है। पर्यटकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए मार्ग पर नियमित पुलिस गश्त, संवेदनशील स्थानों पर सीसीटीवी कैमरों की स्थापना, आपातकालीन सहायता केंद्र और संपर्क व्यवस्था विकसित करने की आवश्यकता है। इसके साथ ही पर्यटन स्थलों पर सुरक्षा संबंधी सूचना बोर्ड और सहायता के लिए संपर्क नंबर भी प्रदर्शित किए जाने चाहिए। अमरकंटक धार्मिक और प्राकृतिक पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थान है, जहां देश के विभिन्न राज्यों से श्रद्धालु और पर्यटक पहुंचते हैं। ऐसे में पर्यटकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना संबंधित प्रशासन की प्राथमिकता होनी चाहिए। अब देखना होगा कि इस घटना के बाद संबंधित विभाग सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा कर आवश्यक कदम उठाते हैं या नहीं।



कांग्रेस आंदोलनों के जरिए अराजकता की नींव रख रही-चंद्रशेखर तिवारी

भाजपा प्रदेश महामंत्री का प्रथम अनूपपुर प्रवास

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। भाजपा मध्यप्रदेश के प्रदेश महामंत्री संगठन चंद्रशेखर तिवारी ने कहा कि कांग्रेस आंदोलनों के माध्यम से देश में अराजकता की नींव रखने का काम कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव में हार के बाद ईवीएम पर सवाल उठाकर और लोकतंत्र बचाने के नाम पर संवैधानिक संस्थाओं को निशाना बनाकर विपक्ष जनता को भ्रमित करने का प्रयास करता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन की विचारधारा के अनुरूप जनसेवा और राष्ट्रहित के कार्यों में सक्रिय रहने का आह्वान किया। 23 अक्टूबर को अपने प्रथम अनूपपुर जिला प्रवास पर पहुंचे तिवारी का भाजपा कार्यकर्ताओं ने जिला कार्यालय में स्वागत किया। यहां आयोजित संगठनात्मक बैठक में उन्होंने कार्यकर्ताओं से परिचय प्राप्त किया और पार्टी की गतिविधियों, सेवा संकल्प अभियान तथा आगामी कार्ययोजनाओं की समीक्षा की। बैठक में शहडोल संभागीय प्रभारी गौरव सिरोठिया, भाजपा जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम, जिला प्रभारी संजय साहू, वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री दिलीप अहिरवार, शहडोल सांसद हिमाद्री सिंह, अनुसूचित जनजाति आयोग अध्यक्ष रामलाल रौतेल, अनूपपुर विधायक एवं पूर्व मंत्री बिसाहूलाल सिंह तथा किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष जयपाल सिंह चावड़ा सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम ने जिले की भौगोलिक स्थिति, संगठनात्मक संरचना और पार्टी गतिविधियों की जानकारी दी। संभागीय प्रभारी गौरव सिरोठिया ने बताया कि एक माह तक चले सेवा संकल्प अभियान में अनूपपुर जिले का प्रदेश में 14वां स्थान रहा। उन्होंने अभियान में कार्यकर्ताओं की सहभागिता की सराहना करते हुए कहा कि भाजपा आगामी समय में 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान के जरिए कांग्रेस की नीतियों को जनता के सामने रखेगी। तिवारी ने कांग्रेस की राजनीतिक कार्यप्रणाली की आलोचना करते हुए कहा कि उसकी नीतियों से देश को नुकसान हुआ है। उन्होंने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के योगदान का उल्लेख करते हुए पश्चिम बंगाल और कश्मीर के संदर्भ में उनके प्रयासों को महत्वपूर्ण बताया। साथ ही आरोप लगाया कि कांग्रेस नक्सलवाद, माओवाद, आतंकवाद और घुसपैठ के खिलाफ सरकार की कार्रवाई पर सवाल उठाती है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने डिजिटल तकनीक, राष्ट्रीय सुरक्षा, स्वदेशी हथियारों और संसाधनों को प्रोत्साहन देने तथा गरीब कल्याण की योजनाओं पर जोर दिया है। उनके अनुसार, पार्टी का उद्देश्य राजनीतिक लाभ से आगे बढ़कर देश और समाज के हित में काम करना है। बैठक में पूर्व जिला अध्यक्ष अनिल गुप्ता, बृजेश गौतम, रामदास पुरी, राधाराम वैश्य, जिला महामंत्री श्याम नारायण शुक्ला, सिद्धार्थ शिव सिंह, पुष्पेंद्र जैन, नगर पालिका अध्यक्ष राम अवध सिंह, अजय सराफ, सहबिन पनिका, डॉ. सुनील कुमार चौरसिया, उमंग गुप्ता, गीता गुप्ता सहित मंडल अध्यक्ष और जिला पदाधिकारी उपस्थित रहे। संचालन जिला महामंत्री पुष्पेंद्र जैन ने किया। जानकारी जिला मीडिया प्रभारी राजेश सिंह ने दी।

35 वर्षों की साधना और निर्माण यात्रा के बाद साकार हुआ श्री यंत्र महामेरु शक्तिपीठ

भव्य शोभायात्रा के साथ प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव का शुभारंभ

मां त्रिपुर सुंदरी की पालकी और श्री यंत्र के दिव्य स्वरूप के साथ निकली नगर शोभायात्रा

देश के विभिन्न राज्यों से पहुंचे श्रद्धालु, वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हुआ विशेष पूजन-अर्चन

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। पवित्र नगरी अमरकंटक में मां नर्मदा की पावन धारा, वैदिक परंपरा और शक्ति उपासना के दिव्य वातावरण के बीच सोनमूड़ा मार्ग स्थित श्री यंत्र महामेरु शक्तिपीठ में चार दिवसीय प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव का भव्य शुभारंभ हुआ। 23 से 26 अक्टूबर तक आयोजित इस महोत्सव के प्रथम दिवस मां जगदंबा श्री त्रिपुर सुंदरी की सुसज्जित पालकी तथा श्री यंत्र के दिव्य स्वरूप के साथ भव्य नगर शोभायात्रा निकाली गई। श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास से परिपूर्ण इस आयोजन में देश के विभिन्न राज्यों से आए भक्तों एवं श्रद्धालुओं ने सहभागिता की। लगभग 35 वर्षों की साधना, संकल्प और निर्माण यात्रा के बाद साकार हुए इस विशिष्ट शक्तिपीठ में प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव का शुभारंभ अमरकंटक की धार्मिक विरासत में एक महत्वपूर्ण पड़ाव के रूप में देखा जा रहा है। मां त्रिपुर सुंदरी के जयकारों, वैदिक मंत्रोच्चार और भक्तिमय वातावरण के बीच नगर की सड़कों पर निकली शोभायात्रा ने पूरे क्षेत्र को देवीमय बना दिया। श्रद्धालुओं ने मां के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया तथा श्री यंत्र महामेरु के दिव्य स्वरूप के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की।



मां त्रिपुर सुंदरी की पालकी और श्री यंत्र के साथ निकली भव्य शोभायात्रा

प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव के प्रथम दिवस आयोजित नगर शोभायात्रा में मां त्रिपुर सुंदरी को सुसज्जित पालकी एवं भव्य रथ में विराजित कर नगर भ्रमण कराया गया। श्री यंत्र के प्रतीकात्मक स्वरूप को भी शोभायात्रा में विशेष रूप से सम्मिलित किया गया। विशाल कलश शोभायात्रा के साथ निकले श्रद्धालुओं ने धार्मिक आस्था और उल्लास के साथ इस आयोजन में सहभागिता निभाई। दिल्ली से पहुंचे संदीप यादव एवं संजय गोयल श्री यंत्र का प्रतीक सिर पर धारण कर शोभायात्रा में आगे बढ़ते रहे। यह दृश्य श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। शोभायात्रा में नगर परिषद अध्यक्ष पार्वती सिंह, जनपद पंचायत के पूर्व उपाध्यक्ष संतोष पांडेय, नगर परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष रामगोपाल द्विवेदी, शक्ति पांडेय, सुनीता मरावी, विक्की द्विवेदी, दिलीप बघेल, संतोष सिंह, राधेश्याम उपाध्याय, रामसरोवर द्विवेदी, गणेश पांडेय, पार्षद विमल दुबे, पार्षद उषा सिंह उईके सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं श्रद्धालु सम्मिलित हुए। पत्रकार उमाशंकर पांडेय, धनंजय तिवारी, सोमू दुबे तथा विपुल बर्मन सहित अन्य लोगों ने भी शोभायात्रा में सहभागिता की। दिल्ली, हरियाणा, अहमदाबाद, मुंबई, कोलकाता, लखनऊ, बिलासपुर, रायपुर और हरिद्वार सहित विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु अमरकंटक



पहुंचे हैं। मां त्रिपुर सुंदरी के दर्शन और श्री यंत्र महामेरु के प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव में सम्मिलित होने को लेकर भक्तों में विशेष उत्साह दिखाई दिया। शोभायात्रा के दौरान अमरकंटक थाना पुलिस का बल सुरक्षा व्यवस्था के लिए मुस्तैद रहा। श्रद्धालुओं की आवाजाही और आयोजन की व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए पुलिसकर्मी चाक-चौबंद सुरक्षा में तैनात रहे।

1991 में आरंभ हुई निर्माण यात्रा, अब प्रतिष्ठा का ऐतिहासिक पड़ाव

श्री यंत्र महामेरु शक्तिपीठ का निर्माण इतिहास दीर्घ साधना, संकल्प और विशिष्ट स्थापत्य परिकल्पना से जुड़ा है। उपलब्ध विवरणों के अनुसार, मंदिर निर्माण की शुरुआत वर्ष 1991 में हुई थी। इस धार्मिक परियोजना की परिकल्पना ब्रह्मलीन श्री श्री 1008 अटल पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी शुकदेवानंद महाराज से जुड़ी रही है। श्री यंत्र की त्रि-आयामी ज्यामितीय संरचना को स्थापत्य स्वरूप प्रदान करना अपने आप में एक विशिष्ट कार्य रहा। दशकों तक चले निर्माण प्रयासों के बाद मंदिर ने वर्तमान स्वरूप प्राप्त किया। वर्ष 2026 में आयोजित प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव इस दीर्घ निर्माण यात्रा का महत्वपूर्ण पड़ाव है। यह शक्तिपीठ केवल पूजा-अर्चना के लिए निर्मित एक मंदिर नहीं, बल्कि श्रीविद्या उपासना की परंपरा, आध्यात्मिक चिंतन और भारतीय स्थापत्य कला के समन्वय का प्रतीक भी है। लगभग साढ़े तीन दशकों की इस यात्रा के बाद आयोजित प्रतिष्ठा महोत्सव श्रद्धालुओं के लिए विशेष धार्मिक महत्व रखता है।

23 से 26 अक्टूबर तक होंगे विविध धार्मिक अनुष्ठान

चार दिवसीय प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव में वैदिक पूजन, यज्ञ, अधिवास, देवी आराधना, यंत्र स्थापना और प्रतिष्ठा संबंधी विभिन्न अनुष्ठान निर्धारित किए गए हैं। 23 अक्टूबर शोभायात्रा एवं प्रारंभिक अनुष्ठानरू महोत्सव का शुभारंभ नगर शोभायात्रा, कलश यात्रा, कुंभ पूजन, नर्मदा पूजन, अग्नि संबंधी अनुष्ठानों और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हुआ। मां त्रिपुर सुंदरी, श्री यंत्र महामेरु और कलश का विधि-विधानपूर्वक पूजन किया गया। 24 अक्टूबर कृ शांति अनुष्ठान एवं यंत्र स्थापनारू दूसरे दिन शांति पूजन, अधिवास, नवयोनी लिंगम पूजन तथा यंत्र स्थापना से संबंधित धार्मिक विधियां संपन्न की जाएंगी। 25 अक्टूबर महालक्ष्मी पूजन एवं यज्ञ संबंधी विधियांरू तीसरे दिन महालक्ष्मी पूजन, यंत्राधिवेशन, यज्ञशाला पूजन, कन्या पूजन, दंपति पूजन तथा अन्य पारंपरिक अनुष्ठान आयोजित होंगे। 26 अक्टूबर मुख्य प्राण-प्रतिष्ठा एवं महाकुंभाभिषेकरू महोत्सव के अंतिम दिन श्री यंत्र महामेरु की प्राण-प्रतिष्ठा, महाकुंभाभिषेक, दीप आराधना और पूर्णाहुति के साथ मुख्य धार्मिक कार्यक्रम संपन्न होंगे। इन चार दिनों के दौरान होने वाले अनुष्ठानों के माध्यम से श्री यंत्र महामेरु शक्तिपीठ की प्रतिष्ठा संबंधी धार्मिक विधियां निर्धारित वैदिक परंपरा के अनुसार आगे बढ़ेंगी।

अमरकंटक की आध्यात्मिक विरासत में जुड़ेगा नया अध्याय

मां नर्मदा का उद्गम, प्राचीन मंदिर, तपस्वियों की साधना स्थली और प्राकृतिक सौंदर्य अमरकंटक को देशभर में विशिष्ट पहचान प्रदान करते हैं। इसी पवित्र नगरी में श्री यंत्र महामेरु शक्तिपीठ का प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव धार्मिक आस्था, आध्यात्मिक साधना और सांस्कृतिक परंपरा की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। मां त्रिपुर सुंदरी की पालकी यात्रा, श्री यंत्र का प्रतीक सिर पर धारण कर चलते श्रद्धालु, विशाल कलश शोभायात्रा और मां नर्मदा के उद्गम कुंड में संपन्न विशेष पूजन ने महोत्सव के प्रथम दिवस को स्मरणीय बना दिया। देश के विभिन्न हिस्सों से पहुंचे श्रद्धालुओं की सहभागिता ने इस आयोजन को व्यापक स्वरूप प्रदान किया। करीब 35 वर्षों की निर्माण यात्रा के बाद आयोजित यह प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव आस्था, साधना, वैदिक परंपरा और स्थापत्य कला के समन्वय का प्रतीक है। श्री यंत्र महामेरु शक्तिपीठ में 26 अक्टूबर को होने वाले मुख्य प्राण-प्रतिष्ठा एवं महाकुंभाभिषेक को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह बना हुआ है। यह आयोजन अमरकंटक की आध्यात्मिक विरासत में एक नया अध्याय जोड़ने के साथ श्रीविद्या उपासना की परंपरा को व्यापक पहचान दिलाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।